

गौमाता राष्ट्रमाता

अब मुस्लिम समाज ने उठाई माँग

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)।

ईद-उल-अजहा (बकरीद) से ठीक कुछ दिन पहले, उत्तर प्रदेश के कई मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद (अर्शद मदनी गुट) के अध्यक्ष मौलाना अर्शद मदनी की उस मांग के समर्थन में आगे आए हैं, जिसमें गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की गई है। मुस्लिम संगठनों को उम्मीद है कि इस कदम से गोवध (गाय काटने) के मुद्दे पर होने वाले राजनीतिक शोषण पर लगाम लगेगी और इसके नाम पर होने वाली माँब लिंचिंग (भीड़ द्वारा हत्या) व अन्य अत्याचारों की घटनाओं पर हमेशा के लिए विराम लग जाएगा।

इस मुद्दे पर समुदाय के भीतर आम सहमति बनाने के प्रयास तेज हो गए हैं, और कुछ संगठन इस सिलसिले में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से मिलने की योजना भी बना रहे हैं। देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य, जहाँ मुस्लिम आबादी भी अच्छी-खासी है, में यह पहल विशेष महत्व रखती है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से ऐसी मांगें हमेशा हिंदू संगठनों की तरफ से उठती रही हैं। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले, इस बकरीद के मौके पर मुस्लिम समुदाय के भीतर से उठी यह आवाज अपने आप में एक अलग और बड़ा राजनीतिक महत्व रखती है।

श्रीधर नेतृत्व से मिलेंगे मुस्लिम प्रतिनिधि
ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मदनी की मांग का तहे दिल से समर्थन किया है। पीटीआई

से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य इस मुद्दे पर विभिन्न मुस्लिम संगठनों के बीच आम सहमति बनाना है। इसके लिए जल्द ही दिल्ली में प्रमुख मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधियों की एक बैठक बुलाई जाएगी, जहाँ एक संयुक्त मांग पत्र (ज्ञापन) तैयार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित

पश्चिम बंगाल के ताजा घटनाक्रम इसका उदाहरण हैं। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग का खुलकर समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो उनका संगठन इस संबंध में प्रधानमंत्री से मुलाकात की मांग करेगा। कुरैशी ने याद दिलाया कि उनका संगठन लंबे समय से यह मांग उठा रहा है, लेकिन अब तक किसी भी सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने टिप्पणी की कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग बिल्कुल जायज है, लेकिन यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस पर पूरी ईमानदारी से काम करे। उन्होंने कहा कि गाय को लेकर सरकार की नीयत उसकी नीतियों में साफ दिखनी चाहिए, ताकि देश में एक जैसा दृष्टिकोण रहे। ऐसा नहीं होना चाहिए कि कुछ राज्यों में बिना किसी रोक-टोक के बीफ (गोमांस) खाया जाए और दूसरे राज्यों में गाय के नाम पर लोगों की जान ले ली जाए।

इंडियन यूनिवर्सल मुस्लिम लीग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कोसर हयात खान ने भी मदनी की मांग का समर्थन करते हुए इसे तकनीकी रूप से सही बताया। जब उनसे मुस्लिम संगठनों के एक मंच पर आने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह मुहिम तभी पूरी रफ्तार पकड़ सकती है जब सभी मुस्लिम संगठन एक साथ आगे आएँ।

सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए खान ने इशारा किया कि गोवा, असम और कई पूर्वोत्तर राज्यों में अभी भी बीफ का उपभोग बिना किसी पाबंदी के होता है। ▶8र



गौमाता राष्ट्रमाता

देश के शीर्ष नेतृत्व को सौंपा जाएगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार को इस मांग को तुरंत पूरा करना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल पूरे देश में गोवध को लेकर नीतियों में एकरूपता आएगी, बल्कि गोवध के नाम पर होने वाली माँब लिंचिंग और उत्पीड़न की वारदातों को भी खत्म किया जा सकेगा।

मांस व्यवसाय से जुड़े कुरैशी समुदाय के प्रमुख संगठन ऑल इंडिया कुरैशी जमात के अध्यक्ष सिराज कुरैशी ने कहा कि बकरीद से पहले राजनीतिक गलियारों में गाय की कुर्बानी का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है और

तेदेपा ने दिया भाजपा को झटका

बाबू काँकरोच!

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, तेलुगु देशम पार्टी ने रविवार को खुले तौर पर स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर चल रहा काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का ट्रेंड देश के युवाओं के बीच सुलगती चिंताओं और निराशाओं का प्रतिबिंब है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के इस प्रमुख सहयोगी दल का यह दृष्टिकोण भारतीय जनता पार्टी के उस नैरेटिव (बयानबाजी) से बिल्कुल विपरीत है, जिसमें भाजपा सीजेपी को देश को अस्थिर करने के लिए एक विदेशी हाथ की साजिश बता रही थी। तेदेपा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भाजपा की मशीनरी, प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से, इस ऑनलाइन आंदोलन को खत्म करने का प्रयास करती दिख रही है। राजग में तेदेपा अब तक एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने सीजेपी को स्वीकार किया है और इस ऑनलाइन आंदोलन के ट्रेंड होने के पीछे नीट-यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी को भी एक मुख्य कारण माना है।



नैरेटिव (बयानबाजी) से बिल्कुल विपरीत है, जिसमें भाजपा सीजेपी को देश को अस्थिर करने के लिए एक विदेशी हाथ की साजिश बता रही थी। तेदेपा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भाजपा की मशीनरी, प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से, इस ऑनलाइन आंदोलन को खत्म करने का प्रयास करती दिख रही है। राजग में तेदेपा अब तक एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने सीजेपी को स्वीकार किया है और इस ऑनलाइन आंदोलन के ट्रेंड होने के पीछे नीट-यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी को भी एक मुख्य कारण माना है।

नीतियाँ बदलने और आत्मनिरीक्षण की जरूरत

एक बेहद सधे हुए बयान में, तेदेपा के आंध्र प्रदेश अध्यक्ष पद्मा श्रीनिवास राव ने कहा, लोकतांत्रिक सरकारों की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं की आकांक्षाओं और असुरक्षाओं के प्रति संवेदनशीलता से प्रतिक्रिया दें। विशेष रूप से ऐसे समय में जब रोजगार के अवसरों,

प्रतियोगी परीक्षाओं, आर्थिक दबावों और करियर की अनिश्चितता से जुड़ी चिंताएँ तेजी से बढ़ी हैं। तेदेपा ने केंद्र सरकार को स्पष्ट रूप से संदेश देते हुए यह चेतावनी भी दी कि सीजेपी को महज एक राजनीतिक अभिव्यक्ति मानकर खारिज न किया जाए। इस अप्रत्याशित बयान से हैरान

भगवा दल (भाजपा) तेदेपा के इस कदम को चौंकाते वाला, अनुचित लेकिन एक रणनीतिक कदम के रूप में देख रहा है। माना जा रहा है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू इसके जरिए अपने उत्तराधिकारी और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नारा लोकेश को एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, जो युवाओं की चिंताओं और आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील हैं। हालांकि, अभी यह पूरी तरह साफ नहीं है कि नायडू के इस कदम का दोहरा उद्देश्य अपने धुर विरोधी और पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के प्रति भाजपा के कथित नरम रुख पर अपनी नाराजगी जताना भी है या नहीं।

पद्मा श्रीनिवास राव ने उल्लेख किया कि सोशल मीडिया पर इस तरह के भावनात्मक रूप से आवेशित विमर्श का उभरना नीति निर्माताओं के लिए भी आत्मनिरीक्षण की मांग करता है। उन्होंने कहा कि सरकारों को जरूरत पड़ने पर नीतियों को फिर से संरिखित (रिकैलिब्रेट) करने के लिए तैयार रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि युवा

▶8र

पाक में आत्मघाती ट्रेन धमाका, 24 से ज्यादा मरें



टकरा गई, जिसके बाद यह धमाका हुआ। इस धमाके की आवाज और ताकत इतनी ज्यादा थी कि आसपास की इमारतों के शीशे टूट गए और पास खड़ी गाड़ियों के शीशे भी चकनाचूर हो गए। रेलवे मंत्री हनीफ अब्बासी ने बताया कि धमाके से ट्रेन का इंजन और तीन डिब्बे बुरी तरह प्रभावित हुए। बीएलए के बयान के

बीएलए ने ली जिम्मेदारी

मुताबिक इस ट्रेन में 165 सैनिक, 11 जूनियर कमीशंड ऑफिसर, 109 नए भर्ती हुए सैनिक और 37 परिवार के सदस्य सवार थे। पाकिस्तान के रेलवे मंत्री ने यह भी माना कि ट्रेन में आम नागरिक यात्री भी मौजूद थे। एक बड़ी तादाद में ऐसे यात्री भी थे जो आने वाले बकरीद त्योहार पर घर जाने के लिए आगे की ट्रेनों पकड़ने का इंतजार कर रहे थे। बीएलए ने बताया कि यह एक आत्मघाती हमला था और हमलावर का नाम बिलाल शाहवानी उर्फ सैन था। संगठन के मुताबिक 25 साल के बिलाल शाहवानी केटा के सरियाब इलाके के रहने वाले थे। उन्होंने 2020 में बलोच प्रतिरोध आंदोलन में हिस्सा लिया और 2022 में अपनी सैन्य कबिलियत और

यह ट्रेन केटा कैन्टोनमेंट से शहर के रेलवे स्टेशन की तरफ जा रही थी। चमन फाटक के पास इस ट्रेन पर जोरदार धमाका हुआ। चरमदीयों ने बताया कि एक विस्फोटक से भरी मिनीवैन आकर ट्रेन से

▶8र

ट्रंप बोले-आई लव मोदी

अमेरिका पर 100% भरोसा रखें भारत



नयी दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिल्ली में हो रहे अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के जश्न में लाइव वीडियो कॉल पर आकर पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वो प्रधानमंत्री मोदी को बहुत पसंद करते हैं, मोदी उनके दोस्त हैं, और भारत उन पर 100 फीसदी भरोसा कर सकता है। अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के जश्न में अमेरिका के नए राजदूत सेर्जियो गोर मौजूद थे। सेर्जियो गोर राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने जश्न के दौरान एक बड़ा सरप्राजिज दिया। उन्होंने सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लाइव कॉल कर जोड़ा। यानी दिल्ली में बैठे सभी

लोग सीधे ट्रंप से बात कर रहे थे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सबसे पहले पीएम मोदी की बात की। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री को बहुत पसंद करता हूँ। मोदी बहुत अच्छे हैं। वो मेरे दोस्त हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते इतने अच्छे पहले कभी नहीं रहे जितने अभी हैं। इसके साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को भरोसा दिलाया। उन्होंने

कहा कि अगर भारत को कभी कोई मदद चाहिए तो वो जानते हैं किसे बुलाना है और जवाब है, अमेरिका को। उन्होंने कहा कि भारत उन पर और उनके देश पर 100 फीसदी भरोसा कर सकता है। यह पूरा लम्हा बहुत खास इसलिए भी था क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति का इस तरह किसी दूसरे देश में हो रहे जश्न में लाइव आना और उस देश के प्रधानमंत्री की इतनी खुलकर तारीफ करना बहुत कम देखने को मिलता है। यह साफ दिखाता है कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की दोस्ती कितनी गहरी है और इस वक्त भारत-अमेरिका के रिश्ते कितने मजबूत हैं।

व्हाइट हाउस में फायरिंग हमलावर ढेर, दिमागी बीमार



वाशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास वॉइट हाउस के बाहर गोली चलाने वाला युवक सीक्रेट सर्विस की जवाबी गोलीबारी में मारा गया है। राष्ट्रपति की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सीक्रेट सर्विस ने एक बयान में इसकी जानकारी दी है। मारे गए युवक की पहचान 21 वर्षीय नासीर बेस्ट के रूप में हुई है। सीक्रेट सर्विस ने बताया कि एजेंटों ने बेस्ट को तब गोली मारी, जब वह वॉइट हाउस के बाहर एक चेकपाइंट पर पहुँचा और अधिकारियों पर गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं। गोलीबारी में वहाँ मौजूद एक और व्यक्ति को भी गोली लगी। एजेंसी ने यह भी बताया कि घटना के समय

▶8र

फालता में भगावा

टीएमसी का पुष्पा ढेर, बीजेपी ने मनाया जश्न

कोलकाता, 24 मई (एजेंसियां):

पश्चिम बंगाल के फालता विधानसभा में हुए दोबारा मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत दर्ज की है। निर्वाचन आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भाजपा प्रत्याशी को 1,49,666 वोट मिले हैं। जीत का अंतर 1.09 लाख वोट से अधिक रहा है। दूसरे नंबर पर रहे सीपीएम प्रत्याशी शंभू नाथ कुर्मी को 40,645 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे कांग्रेस प्रत्याशी अब्दुर रज्जाक मोल्ला को 10,084 वोट मिले। चौथे नंबर पर खिसकी पार्टी- तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी जहांगीर खान को केवल 7783 वोट से संतोष करना पड़ा।

पार्टी उम्मीदवार देबांग्शु पांडा की जीत के बाद इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया और एक-दूसरे को बधाई दी। जीत की खबर सामने आते ही दक्षिण



24 परगना में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्सव जैसा माहौल बना दिया। ढोल-नगाड़ा और नारों के बीच कार्यकर्ताओं

ने उम्मीदवार को बधाई दी और इसे संगठन की बड़ी सफलता बताया। जीत के बाद बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने कहा कि यह सिर्फ उनकी नहीं बल्कि फलता की जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कुछ जगहों पर डर और चुनौतियाँ थीं, लेकिन अंततः जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना फैसला सुनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के फलता विधानसभा में हुए दोबारा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा की जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि फलता की जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकतंत्र की जीत हुई है और डर-धमकी की राजनीति को नकार दिया गया है। प्रधानमंत्री ने रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करने पर देबांग्शु पांडा को बधाई देते हुए कहा कि यह पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रति लोगों के

▶8र

गंगा में चलेंगी 100 इलेक्ट्रिक नावें



वाराणसी, 24 मई (एजेंसियां)।

गंगा में डीजल इंजन से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए लगातार प्रयास होते रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए इस दिशा में नई पहल के तहत 100 इलेक्ट्रिक नावें चलाई जाएंगी। इन नावों को उपलब्ध कराने के लिए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूआई) व्यवस्था करेगा। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने आर्थिक और पर्यावरणीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक नावों को बढ़ावा देने के लिए आईडब्ल्यूआई और नाविकों व माझी समाज के साथ बैठक कर रूप रखा तैयार की गई।

▶8र

प्रारंभिक स्तर पर तैयार योजना के लिए आईडब्ल्यूआई नाविकों को साथ लेकर यह तय करेगा कि नमोघाट से लेकर असि तक के बीच कहाँ-कहाँ चार्जिंग प्वाइंट बनेंगे। नाविकों से सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही मोटरबोट को सीए-नजी में परिवर्तित किया जाएगा। माझी व नाविक समाज के लोगों की सहभागिता से योजना से जोड़ा जाएगा। आईडब्ल्यूआई के उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की उपस्थिति में आयोजित बैठक में नाविकों व माझी समाज के लोगों ने अपनी समस्याएँ व सुझाव रखे। नाविकों के लिए यूनिकार्ड व पहचान पत्र बनवाने, अवैध गाइड करने वालों पर रोक लगाने, विभिन्न घाटों के मध्य बोट रेट निर्धारित करने, लाइसेंसिकरण सुनिश्चित कराने और परंपरागत नावों के फिटनेस जांच में शासन प्रशासन के अधिकारियों के साथ नाविक संगठन के सदस्यों को भी शामिल करने सहित अन्य मुद्दे उठाए गए।

▶8र



डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- होर्मुज खुलेगा, समझौता जल्द

वाशिंगटन/तेहरान
पश्चिम एशिया और होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, जार्डन, मिस्र, तुर्किये और बहरीन के नेताओं और अधिकारियों के साथ फोन पर बातचीत की। इसके बाद उन्होंने घोषणा की ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत हो गया है। होर्मुज जलजल खुलेगा। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाले शांति समझौते का मध्यस्थ देश अंतिम मसौदा तैयार कर रहे हैं।

यह काम पूरा होने के बाद शांति समझौते की घोषणा की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने इसके बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी फोन पर बातचीत की। उन्हें कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात,

पाकिस्तान, जार्डन, मिस्र, तुर्किये और बहरीन के नेताओं के साथ हुई बातचीत का ब्योरा साझा किया। ट्रंप ने सोशल ट्विटर पर कहा कि इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। यह समझौता अभी अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों और कई अन्य देशों के अंतिम रूप दिए जाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि इस समझौते के अंतिम पहलुओं और विवरणों पर अभी चर्चा चल रही है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि उनका देश दोनों पक्षों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस्लामाबाद बहुत जल्द अमेरिका-ईरान के बीच भविष्य की बातचीत की मेजबानी कर सकता है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप

एर्दोगन ने फोन पर बातचीत के बाद कहा कि अंकारा इस बातचीत में हुई प्रगति से खुश है। अब लगता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो सकेगी। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने अलग बयान में सभी पक्षों से आग्रह किया कि वे इस कूटनीतिक पहलू का लाभ उठाएं और किसी समझौते पर पहुंचें। उल्लेखनीय यह कूटनीतिक प्रयास ट्रंप की धमकी के बाद तेज हुए हैं। ट्रंप ने कहा था कि संघर्ष विराम की अविधि खत्म होते ही अमेरिका पूरी ताकत से ईरान पर हमला करेगा। इसके बाद अरब देशों के कहने पर उन्होंने हमला टाल दिया था। इस सबके बावजूद तेहरान को अमेरिका पर अभी भी भरोसा नहीं है। तेहरान का कहना है कि अमेरिका ने उसके बंदरगाहों से सैन्य नाकाबंदी नहीं हटाई है। बताया गया है कि नवीनमत शांति समझौते में होर्मुज को खोलने, विदेशी बैंकों में

जमा ईरान की कुछ संपत्तियों को मुक्त करने का मुद्दा शामिल है। ईरान ने ट्रंप के इस बयान पर आपत्ति जताई है कि शांति प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना शामिल है। ईरान सरकार ने शनिवार शाम कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण जलमार्ग है। युद्ध से पहले यहाँ से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता था। ईरान की अर्थ सकाराई समाचार एजेंसी फार्स न्यूज ने कहा है कि संभावित समझौते की स्थिति में भी होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के ही नियंत्रण में ही रहेगा। फार्स ने कहा कि ईरान ने जहाजों की आवाजाही को युद्ध पूर्व के स्तर पर वापस लाने की अनुमति देने पर सहमति जताई है। बावजूद इसके इसका किसी भी तरह से यह मतलब नहीं है कि युद्ध पूर्व की स्थिति की तरह पूरी तरह से मुक्त आवाजाही की अनुमति दी जाएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

अब अमेरिका में रहकर नहीं मिलेगा ग्रीन कार्ड , पहले छोड़ना पड़ेगा देश



वाशिंगटन। अमेरिका में ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे लाखों लोगों के लिए ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा झटका दे दिया है। अब सिर्फ ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन भरने से काम नहीं चलेगा, बल्कि ग्रीन कार्ड चाहिए तो पहले अमेरिका छोड़ना पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को इमिग्रेशन नीति में बड़ा बदलाव करते हुए ऐलान किया कि अब अमेरिका में रह रहे गैर-नागरिक देश के भीतर रहकर ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाएंगे। उन्हें अपने देश लौटकर अमेरिकी दूतावास के जरिए आवेदन करना होगा और वहीं इंतजार करना होगा। अब तक अमेरिका में रह रहे कई लोग, जिनमें अमेरिकी नागरिकों के पति-पत्नी, उनके बच्चे, स्टूडेंट वीजा या टेम्पररी वर्क वीजा पर आए लोग शामिल थे, एडजस्टमेंट आफ स्टेटस के जरिए अमेरिका के भीतर रहकर ही ग्रीन कार्ड हासिल कर सकते थे। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इस रास्ते पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका अब कानून की मूल भावना पर लौट रहा है। उनके मुताबिक, जो लोग अस्थायी वीजा पर अमेरिका आते हैं, उनकी यात्रा ग्रीन कार्ड प्रक्रिया की पहली सीढ़ी नहीं होनी चाहिए। अगर उन्हें स्थायी निवास चाहिए, तो उन्हें अपने देश लौटकर वहीं से आवेदन करना होगा। इस फैसले का असर बेहद व्यापक होने वाला है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 12 लाख लोग एडजस्टमेंट एसे हैं जिनके ग्रीन कार्ड आवेदन पेंडिंग हैं और वे इस नए नियम की चपेट में आ सकते हैं, जिसके चलते उन्हें अपने देश लौटना पड़ सकता है। सिर्फ पिछले कुछ समय में ही 7.82 लाख से ज्यादा लोगों ने अमेरिका के भीतर रहकर एडजस्टमेंट आफ स्टेटस के जरिए ग्रीन कार्ड हासिल किया था, लेकिन अब यह रास्ता लगभग बंद हो गया है।

उत्तर कोरिया की वोल्वो कारें: 50 साल बाद भी अनसुलझा मुगलान, तानाशाह ने अब तक नहीं चुकाई कारों की कीमत स्वीडन। 1970 के दशक में उत्तर कोरिया ने स्वीडन से 1000 वोल्वो 144 सेडान कारें खरीदी थीं,



लेकिन इसका भुगतान तक नहीं किया है। यह दुनिया के सबसे लंबे समय से चले आ रहे अंतरराष्ट्रीय बकायों में से एक है। 1974 में, उत्तर कोरिया खुद को एक तेजी से उभरती औद्योगिक शक्ति के रूप में पेश कर रहा था, और तत्कालीन नेता किम इल-सुंग आर्थिक विकास व विदेशी व्यापार को बढ़ावा देने में लगे थे। इसी दौरान स्वीडन ने उत्तर कोरिया को एक संभावित व्यापारिक बाजार के रूप में देखा और दोनों देशों के बीच कारोबारी रिश्ते मजबूत हुए। एक बड़े व्यापारिक समझौते के तहत, उत्तर कोरिया ने स्वीडिश कंपनियों से भारी मशीनरी, खनन उपकरण और औद्योगिक सामग्री के साथ-साथ 1000 नई वोल्वो 144 सेडान कारों का आर्डर दिया। तब पूरे सोवियत की कीमत करीब 600 मिलियन स्वीडिश क्रोना थी, जो करीब 73 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर थी। वोल्वो ने आर्डर तैयार कर कारों को तुरंत प्योंगयांग भेज दिया। कारें उत्तर कोरिया पहुंचते ही सरकारी तंत्र में शामिल कर ली गईं और उनका इस्तेमाल अधिकारियों व बर में टैक्सी के रूप में होने लगा।

18 साल बाद मिली जीत: रेड लाइट चालान पर ड्राइवर ने खुद लड़ा केस

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में असाधारण कानूनी लड़ाई के बाद नेविल ग्रीन नामक ड्राइवर को 18 साल पुराने रेड लाइट कास्टिंग के चालान से मुक्ति मिली है। यह मामला 4 जून 2007 का है जब उन पर शेफर्ड एवेन्यू और जेन स्ट्रीट चौराहे पर लाल बत्ती पार कर बाएं मुड़ने का आरोप लगा था। पुलिस अधिकारी ने उन्हें ट्रैफिक टिकट जारी किया था, हालांकि ग्रीन ने हमेशा इस बात पर जोर दिया कि उनकी गाड़ी चौराहे में तब दाखिल हुई थी जब सिग्नल हरा था। मामला 2008 में अदालत पहुंचा, जहां नेविल ग्रीन ने बिना वकील के अपनी पेरवी खुद की। उन्होंने तस्वीरों और अन्य सबूतों के जरिए अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने उनकी दलीलों को स्वीकार नहीं किया। 10 जुलाई 2008 को, जस्टिस आफ द पीस (जेपी) ने पुलिस अधिकारी की गवाही को भरोसेमंद मानते हुए ग्रीन को दोषी ठहरा दिया। इस फैसले ने यह विस्तार से नहीं बताया गया था कि ड्राइवर की दलीलों को क्यों खारिज किया गया। ग्रीन ने फैसले को चुनौती दी और मामला अपील तक पहुंच गया। बाद में यह भी सामने आया कि शुरुआती सुनवाई के दौरान न्यायिक अधिकारी ने व्यंग्यात्मक टिप्पणियां की थीं, जिस पर बाद में उच्च न्यायालय ने सवाल उठाए। 18 साल बाद, ओंटारियो कोर्ट के जस्टिस ब्राक जोन्स ने आखिरकार पुराने मुकदमे पर गंभीर सवाल उठाए। जस्टिस जोन्स ने माना कि सुनवाई निष्पक्ष तरीके से नहीं हुई थी। उन्होंने पाया कि बिना वकील खुद केस लड़ रहे व्यक्ति को न्याय मार्गदर्शन नहीं मिला और न्यायिक अधिकारी की टिप्पणी अनुचित थी। साथ ही, पुराने फैसले में पर्याप्त कानूनी आधार और स्पष्ट कारण नहीं दिए गए थे।

राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान पर वार्ता के दौरान व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी, सीक्रेट सर्विस ने संदिग्ध को मार गिराया

वाशिंगटन
अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस के पास शनिवार शाम हुई गोलीबारी से पूरा इलाका दहल गया। बताया गया है कि घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान समझौते पर कुछ लोगों से बातचीत कर रहे थे। गोलीबारी के बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने समूचा इलाका घेर लिया। सुरक्षा के लिए से कुछ समय के लिए व्हाइट हाउस को बंद कर दिया गया। अनहोनी की आशंका के मद्देनजर व्हाइट हाउस को कवर करने वाले मीडिया कर्मियों को तत्काल ब्रीफिंग रूम में जाने का आदेश दिया गया। पता चला है कि गोलीबारी में दो लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की गोलीबारी में घायल एक संदिग्ध ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया।



व्हाइट हाउस में मौजूद पत्रकारों के अनुसार उन्हें पूर्वी समयानुसार करीब 6 बजे व्हाइट हाउस परिसर की तरफ से गोली चलने जैसी आवाज सुनाई दी। इसके बाद सीक्रेट सर्विस एजेंट्स उन्हें अंदर ले गए। लगभग एक घंटे तक व्हाइट हाउस बंद रहा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन च्युंग ने पहले बताया था कि शाम चार बजे तक राष्ट्रपति ट्रंप व्हाइट हाउस में ही थे। इसके बाद कुछ अधिकारियों ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति घटना के समय भी अपने आधिकारिक आवास पर मौजूद थे। परिसर में मौजूद पत्रकार एम्मा निकोलसन कहती हैं कि हम रिपोर्टिंग की तैयारी कर रहे थे। तभी उन्हें व्हाइट हाउस के पास कई गोलियां की आवाज सुनाई दी। वह तत्काल जमीन पर झुक गईं। इसके बाद व्हाइट हाउस को बंद कर दिया गया। करीब एक घंटे बाद मीडिया को व्हाइट हाउस के नार्थ लान में वापस आने की अनुमति दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, संदिग्धों ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स को निशाना बनाया पर वह कामयाब नहीं हो सके। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने भी माकूल जवाब दिया। एजेंट्स को भी गोली चलायी पड़ी। यूएस सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथनी गुफिलएल्मी ने कहा कि एजेंसी ने संदिग्धों के मंसूबे को विफल कर दिया। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने एक्स पर

कहा कि सूचना पाते ही मौके पर हमारे अधिकारी पहुंचे व्हाइट हाउस परिसर में एक्स पर कहा कि शनिवार शाम काथेद्रल तीर पर गोलीबारी की आवाज सुनाई देने के बाद व्हाइट हाउस के नार्थ लान को खाली करवा लिया गया। यहाँ मौजूद सभी पत्रकारों को ब्रीफिंग रूम ले जाया गया। नार्थ लैन में गोली की आवाज सुनाई देने पर पत्रकारों में क्या प्रतिक्रिया हुई, इस पर संवाददाता सेलिना वांग कहती हैं, हम सब लोग तुरंत झुप गए। गोलीबारी बंद होने पर दौड़कर व्हाइट हाउस के प्रेस ब्रीफिंग रूम में चले गए। यह घटना व्हाइट हाउस पत्रकारों के डिनर के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है। तब भी गोलीबारी चली थी और पत्रकारों के साथ अधिकारियों को मेजों के नीचे छुपना पड़ा था। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स राष्ट्रपति को तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले गए थे व्हाइट हाउस के अनुसार गोलीबारी का संदिग्ध कोल टामस एलन हाथ में शायतन लिए एक सुरक्षा चौकी से तेजी से भागा और अपना पीछा कर रहे सीक्रेट सर्विस एजेंट्स पर गोलीबारी की। उस पर राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगा है। यह घटना व्हाइट हाउस कारपोरेट्स डिनर के दौरान वाशिंगटन हिल्टन होटल में हुई थी।

महिला को लगी पेट्रोल पीने की लत, रोज पीती है पेट्रोल



न्यूयार्क
लोकप्रिय टीवी शो माई स्ट्रेंज एडिक्शन में कनाडा की रहने वाली 20 वर्षीय शैनन की ऐसी आदत दिखाई गई, जिसे सुनकर हर कोई चौंक गया। शैनन को पेट्रोल पीने की लत है और वह रोजाना कई चम्मच पेट्रोल का सेवन करती है। शो में बताया गया कि शैनन ने करीब एक साल पहले पेट्रोल के प्रति आकर्षण महसूस करना शुरू किया था। शुरुआत में वह सिर्फ पेट्रोल की गंध सूंघती थी। इसके बाद वह उंगलियों पर लगे पेट्रोल को चाटने लगी और धीरे-धीरे यह आदत इतनी बढ़ गई कि अब वह रोजाना 12 से 15 चम्मच तक पेट्रोल पी जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, वह सालभर में लगभग 19 लीटर से ज्यादा पेट्रोल का सेवन कर लेती है। शैनन का कहना है कि पेट्रोल का स्वाद उसे मीठा, खट्टा और हल्का जलाने वाला महसूस होता है। उसके मुताबिक जब वह पेट्रोल पीती है तो शरीर में झुनझुनी और जलन महसूस होती है, लेकिन इसके बावजूद वह खुद को रोक नहीं पाती। उसने बताया कि जब वह तनाव, अकेलापन या डिप्रेशन महसूस करती है, तब पेट्रोल पीने से उसे राहत मिलती है। यही वजह है कि यह आदत धीरे-धीरे उसकी मानसिक निर्भरता बन गई। इस खतरनाक लत ने उसके परिवार की चिंता बढ़ा दी है। परिवार के सदस्य उसे कई बार रोकने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन वह चोरी-छिपे पेट्रोल पी लेती है। शो में उसके परिवार ने हस्तक्षेप करते हुए उसे इलाज के लिए मंजूर किया है। डाक्टरों ने भी चेतावनी दी कि पेट्रोल पीना शरीर के लिए बेहद खतरनाक है और इससे फेफड़े, लीवर, किडनी और मस्तिष्क को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार पेट्रोल में बेंजीन, टॉल्यूइन और कई जहरीले रसायन मौजूद होते हैं, जो कैंसर, नसों को नुकसान, सांस संबंधी बीमारियां और आंतरिक अंगों के फेल होने जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकते हैं। लगातार पेट्रोल पीने से मुँह में छाले, दाँतों की खरबी और कई न्यूरोलाजिकल समस्याएँ भी हो सकती हैं। डाक्टरों का कहना है कि यह आदत जानलेवा साबित हो सकती है। टीवी शो में यह भी दिखाया गया कि शैनन सुबह उठते ही सबसे पहले पेट्रोल पीती है और दिनभर कई बार इसकी चुस्कियां लेती रहती है। रात में सोने से पहले भी वह पेट्रोल का सेवन करती है।

रूस ने यूक्रेन के बालाविलया में चर्च को निशाना बनाया



कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन के अधिकारियों ने दावा किया है कि रूस की सेना ने शनिवार रात पूर्वी यूक्रेन के शहर बालाविलया पर दूसरी बार हमला किया। झोले से किए इस हमले में इवेंजेलिक चर्च (लाइट आफ द नास्पेय चर्च) को निशाना बनाया गया। इससे चर्च में आग लग गई। हमले के बाद आग की लपटें लगभग 1,300 वर्ग मीटर के इलाके में फैल गईं। हमले में चर्च के अलावा एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और कुछ घरों को नुकसान पहुँचा। कीव पोस्ट अखबार के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि हमले में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। बालाविलया यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खार्किव क्षेत्र में स्थित है। यह क्षेत्रीय राजधानी खार्किव के दक्षिण-पूर्व में और उन इलाकों के पास है जहाँ आक्रमण की शुरुआत के बाद से कई बार रूसी हमले हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले शनिवार सुबह लगभग 11:35 बजे रूसी सेना ने बालाविलया के मध्य भाग पर भी हमला किया। इस हमले में तीन लोग घायल हो गए कीव पोस्ट का दावा है कि इस युद्ध में रूस ने पूरे यूक्रेन में नागरिक बुनियादी ढांचे, आवासीय क्षेत्रों और धार्मिक इमारतों को बार-बार निशाना बनाया है। हालांकि मास्को जानबूझकर नागरिकों पर हमला करने से इनकार करता है।

साँपों के जहर को निष्क्रिय करने की क्षमता है ऊंट के आंसुओं में

दुबई
ताजा वैज्ञानिक शोध में ऊंट के आंसुओं को लेकर चौंकाने वाले दावे सामने आए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऊंट के आंसुओं में मौजूद विशेष प्रकार की एंटीबायोजिक कई खतरनाक साँपों के जहर को निष्क्रिय करने की क्षमता रखती हैं। यदि यह शोध सफल साबित होता है तो भविष्य में साँप के काटने से होने वाली मौतों को कम करने में बड़ी मदद मिल सकती है। यह शोध दुबई स्थित सेंट्रल वेस्टनरी रिसर्च लैबोरेटरी और भारत के बीकानेर स्थित नेशनल रिसर्च सेंटर आन कैमल के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों ने ऊंटों को सा-स्कैल्ड वाइपर जैसे बेहद जहरीले साँप के जहर की नियंत्रित मात्रा देकर इन्फ्यूजन किया। इसके बाद ऊंटों के खून और आंसुओं के नमूनों की जांच की गई। लैब परीक्षणों में पाया गया कि ऊंट के आंसुओं में मौजूद नैनोबायोजिक जहर के कई घातक प्रभावों को रोकने में सक्षम हैं। इनमें आंतरिक रक्तस्राव, ब्लड थक्काटियाँ की समस्या और न्यूरोटॉक्सिन का असर शामिल है। शोधकर्ताओं का दावा है कि ऊंट के आंसुओं में मौजूद ये विशेष एंटीबायोजिक



करीब 26 प्रकार के जहरीले साँपों के विष को निष्क्रिय कर सकती हैं। इनमें कीबरा, करैत और वाइपर जैसी खतरनाक प्रजातियाँ शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, ऊंट से मिलने वाली कैमेलिड एंटीबायोजिक सामान्य एंटीबायोजिक तुलना में काफी छोटी और अधिक स्थिर होती हैं। यही वजह है कि वे शरीर में तेजी से काम कर सकती हैं। इसके अलावा इन्हें अनुमति के तहत एंटीबायोजिक के लिए अत्यधिक उच्च तापमान की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में इनके इस्तेमाल की संभावना बढ़ जाती है। भारत में हर साल बड़ी संख्या में लोग साँप के काटने का शिकार होते हैं। विश्व स्वास्थ्य

अब 60 दिनों के लिए वीजा-फ्री एंट्री नहीं देगा थाईलैंड, भारतीय पर्यटकों की प्लानिंग पर पड़ेगा असर

बैंकाक
कम बजट में शानदार बीच, सरती शापिंग और बेहतरीन नाइट लाइफ का तृप्त उठाने के लिए थाईलैंड हमेशा से भारतीय पर्यटकों की पहली पसंद रहा है। बैंकाक, पटया और फुकेत जैसे शहर भारतीय युवाओं के पसंदीदा वकेशन स्पॉट हैं। लेकिन अब थाईलैंड जाने का मन बना रहे लोगों के लिए एक ऐसी बड़ी खबर सामने आई है, जिससे पूरी डेवल इंडस्ट्री में हलचल पैदा कर दी है। थाई सरकार ने 90 से ज्यादा देशों के लिए लागू अपनी चर्चित 60 दिन वाली वीजा-फ्री पॉलिसी को पूरी तरह खत्म करने का फैसला किया है। इस बड़े बदलाव का सीधा असर भारतीय यात्रियों पर भी पड़ने वाला है, यानी अब बिना विशेष तैयारी के लंबे समय तक थाईलैंड में रुकना आसान नहीं होगा। थाई सरकार का कहना है कि कोविड महामारी के बाद पर्यटन क्षेत्र को दोबारा पर्यटकों पर लाने के लिए 60 दिनों की वीजा-फ्री सुविधा जैसी कई



राहतें दी गई थीं। हालांकि, समय के साथ इस सुविधा के दुरुपयोग की शिकायतें बढ़ने लगीं। कई विदेशी नागरिक दूरस्थ वीजा का गलत इस्तेमाल कर रहे थे और बिना अनुमति के तय समय से ज्यादा रुकने (ओवरस्टे) के साथ-साथ अवैध कारोबारी गतिविधियों में भी संलग्न पाए जा रहे थे। इसी वजह से देश की सुरक्षा जांच को कड़ा करने और इमिग्रेशन सिस्टम को नियंत्रित करने के लिए यह सख्त कदम उठाया गया है। अब थाईलैंड में प्रवेश के नियम फिर से विभिन्न देशों के साथ हुए पुराने द्विपक्षीय समझौतों और पासपोर्ट रैंकिंग के आधार पर तय किए जाएंगे। इस नए बदलाव के तहत भारतीय यात्रियों के लिए वीजा-फ्री स्टे की अवधि एक बार

फिर घटकर 30 दिन होने की संभावना है। हालांकि, जो लोग ज्यादा समय बिताना चाहते हैं, उन्हें जरूरत पड़ने पर निर्धारित फीस और दस्तावेज जमा करके थाई इमिग्रेशन विभाग से अतिरिक्त 30 दिनों का एक्सटेंशन लेने की सुविधा मिलती रहेगी। 7 से 15 दिनों के छोटे ट्रिप पर जाने वाले आम भारतीय पर्यटकों पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ेगा, लेकिन लंबे समय तक रहकर वर्क फ्राम थाईलैंड करने वाले डिजिटल नोमैड्स के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसके साथ ही सुरक्षा को पुष्टि करने के लिए थाईलैंड डिजिटल अराइवल कार्ड नामक एक नया पेपरलेस इमिग्रेशन सिस्टम भी लागू किया गया है। इस डिजिटल सिस्टम के जरिए एयरपोर्ट पर यात्रियों की एंटी प्रक्रिया तेज होगी और बार-बार देश में प्रवेश करने वाले लोगों के रिकार्ड पर आसानी से आनलाइन नजर रखी जा सकेगी, जिससे वीजा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लागू कर्सी जा सके।

श्राज का राशिफल

मेघ - चू, चै, चो, ला, लि, लू, ले, लो, अ

गलतफहमी और लगातार असहमति परिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है। यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है। आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है। घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिदृश्य में देखने का प्रयास करें। वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अचकित हो सकता है। दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें।

वृषभ - इ, उ, ए, ओ, वा, वि, वु, वे, वो

आज आपको कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा। कारोबार में कुछ लोग बदलाव सामिल होंगे। आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी। अपने मसलक पर चर्चा का नितक लगाएँ, आपके साथ सब अच्छा होगा।

मिथुन - क, कि, कू, च, ड, छ, के, को, ह

विजय और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा। कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें। उन्नति के रास्ते खुलेंगे। विजय में फायदा होने के योग बन रहे हैं। घर में उपयोग होने वाली वस्तुएँ खरीद सकते हैं। अपनी सोच सकारात्मक रखें। विद्वानों के साथ सहायता भी मिल सकती है। आपका पार्टनर संवेदनशील मूख में रहेगा। आपकी भावनाओं का सम्मान होगा। आपको अपनी सहेली पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

कर्क - ही, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं। उत्साह बना रहेगा। काम में मन लगेगा। नया काम मिलेगा। प्यार के लिए समय बेहतरीन है। नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं। विजय में धन लाभ के योग बन रहे हैं। आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा। आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं।

सिंह - म, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

इस माह आपको भाग्य के साथ जानदार परिणाम मिलेंगे। आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे। आप एक नई साहसिक प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं। अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं। वित्तीय मामलों आसानी से आगे बढ़ेंगे। प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी। पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं। यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको धार्मिक शांति भी मिलेगी।

कन्या - ट, ट, पी, पू, घ, ण, ट, ट, पो

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। सलाना पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी। अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी। आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे। किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं। शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। रात को तो टी विलान, घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला - र, री, रू, रे, रो, ता, ति, तू, ते

कर्म से छुटकारा मिल सकता है। अपने काम पर पूरी नज़रें रखें। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। आज आपके लिए योजना बनाना बेहतरीन करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। आपके लिए परिवार, जमीन-जाबदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं।

वृश्चिक - तो, न, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको प्यार में गम का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। आपके कामों की तारीफ हो सकती है। अपनी प्राथमिकताएँ निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएँ।

धनु - ये, यो, म, भी, मू, घा, फा, बा, भे

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है। व्यापारी वर्ग वाणिज्य परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे। सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं। आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। परिवार में शांति या बच्चे का जन्म हो सकता है। खेलप्रतियोगियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे। जोड़ों से सम्बंधित रोगों से जुड़ाव जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है।

मकर - भो, ज, जी, खि, खू, खे, खो, ग, गि

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी। ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है। किसी बात को लेकर भाई-बहन से अनबन हो सकती है। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं। आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं। सेहत ठीक बनी रहेगी। मंदिर में सुबह-शाम धो का दीपक जलाएँ, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी।

कुम्भ - गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, स

विजय में आत्मनिर्भरता रहेगी। नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनने का समय है। साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है। नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे। बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे। आपको सोचने हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे। पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है। नौकरी बर्बादियाँ भी हो सकती हैं।

मीन - दी, दू, थ, झ, ज, दे, दो, चा, ची

अपने परिवार के साथ छुड़ा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शांति को भंग कर सकता है। वाहन व मशीनों के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। दूसरों के बहकावे में न आएं। आय में निश्चिन्ता रहेगी। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता, घड़चक्र का शिकार होने से बचें। इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 मई 2026, सोमवार
विक्रम संवत् : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 05:13 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 04:09 तक
योग : वज्र रात्रि 03:14 तक
करण : नैतिल सायं 04:49 तक
चन्द्रराशि : सिंह रातः 09:07 तक
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:40 (बंगलौर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:34 (विजयवाड़ा)

शुभ चौधिया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
शुभ : 01:30 से 03:00
शुभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
शुभ : 07:30 से 09:00
किरातद्वारा : पूर्व दिशा
उपहार : शीं धनिया खरक यात्रा का आंगण करें
श्रीरंजित : श्रीरंजित से रवि वेदक 02:57, श्रीरंजित तपन काम आंगण, श्रीरंजित, श्रीरंजित का चानू है

पं. चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्यपूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पाठ्यक्रम, वास्तुशास्त्र, गृहपूजा, शतचंदी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं।
फ़क़ड़ का मन्दिर, रिकॉबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का चतुर्थ दिवस संपन्न

महायज्ञ में उमड़ रहा है श्रद्धालुओं का सैलाब

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में आयोजित हो रहे श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का चतुर्थ दिवस संपन्न हुआ। यह महायज्ञ 21 मई से 27 मई 2026 तक चल रहा है। समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस व विज्ञापन के संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

चतुर्थ दिवस के यज्ञ में श्री जगन्नाथ सेवा समिति के कार्यक्रम संयोजक श्री शंकर लाल अग्रवाल थे। यजमानों में श्री महावीर प्रसाद जी शंकर लाल जी के श्री शंकर लाल अग्रवाल, श्री हरि चंद जी इंद्र चंद जी अग्रवाल परिवार से श्रीमान अभिषेक अग्रवाल - एकता अग्रवाल, श्री मदनलाल जी चन्द्रकांत जी डाकोतिया के श्री कमल कांत जी - श्रीमती आरती अग्रवाल, श्री गजानंद जी जगदीश प्रसाद जी डाकोतिया परिवार से श्री प्रवीण डाकोतिया - श्रीमती कविता डाकोतिया, श्री बिहारी लाल जी सुशील कुमार जी सिंग्रोदिया परिवार से सुशील कुमार सिंग्रोदिया - श्रीमती इंद्रा सिंग्रोदिया, श्रीमान डी. मदनलाल जी विजयकुमार जी दिल्लीवाले के परिवार से श्रीमान निखिल गुप्ता - श्रीमती कीर्ति गुप्ता, श्रीमान रामगोपाल जी चंद कुमार जी थरड परिवार से श्रीमान नील सुंदर जी थरड - श्रीमती निशा थरड शामिल थे। सभी यज्ञ एवं प्रसाद के यजमानों द्वारा विशेष आरती आयोजित की गई। प्रसाद के यजमानों में श्री पूरनमल जी ईश्वर लाल जी अग्रवाल, श्री सुन्दरमल जी भरत कुमार जी सोंथालिया थे।

यज्ञ शाला में पधारने वाले महानुभावों में जगन्नाथ सेवा समिति के उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार अग्रवाल, भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, भोजन संयोजक संदीप कुमार गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार



दिल्लीवाले, परामर्शदाता मुकुंद लाल सोंथालिया, महेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले आदि उपस्थित थे। अन्य गणमान्य महानुभावों में ईश्वर लाल नरेड़ी, सुरेश कुमार टंडन, लक्ष्मी नारायण दिल्लीवाले, सत्यनारायण दिल्लीवाले, विनोद कुमार डाकोतिया, अशोक कुमार दादरीवाले, नरेश कुमार अग्रवाल, विनोद केडिया, भगवान दास बालाजी ज्वेल्स, भगवान दास दिल्लीवाले भी उपस्थित रहे। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकर लाल अग्रवाल द्वारा सभी सनातन प्रेमियों से यज्ञ के दर्शन कर प्रसाद प्राप्त करने हेतु आग्रह किया गया है।

स्वच्छ गयाजी अभियान के बैनर तले महादेव घाट पर चला जनजागरण अभियान



पटना, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार प्रदेश की धार्मिक, अध्यात्मिक, पौराणिक एवं ऐतिहासिक नगरी गयाजी में लगातार आठ रविवार से स्वच्छ फल्यु, स्वच्छ गयाजी अभियान के बैनर के तले गया जी के स्थानीय महादेव घाट पर श्रमदान हेतु जनजागरण अभियान चलाया गया। इस अभियान के संयोजक प्रो. विजय कुमार मिश्र, सह संयोजक टिंकू गिरी ने कहा कि गयाजी शहर के घनी आबादी वाले ऐतिहासिक महादेव घाट के सीढ़ियों एवं वहां स्थित फल्यु नदी के भाग पर गंदगी का अम्बार लगा हुआ है, जिसे साफ रखने हेतु स्थानीय सम्मानित लोगों, स्थानीय प्रशासन एवं गया नगर निगम को आगाह कर जनजागरण चला कर लोगों से प्रत्येक छुट्टी के दिन रविवार को घन्टा दो घन्टा श्रमदान करने करने का आह्वान किया गया। इस बीच इन सभी बुद्धजीवियों ने कहा कि फल्यु नदी के महादेव घाट पर गिरेने वाले नाले का पानी को अंडर ग्राउंड सिवरेज बना कर शहर के बाहर खेतों में गिरेने की नितांत आवश्यकता है, साथ ही साथ प्रस्तावित बोधगया से चाकन्द तक मैरिन ड्राइव का निर्माण कार्य जल्द शुरू करने की भी मांग दोहराई गई।

येल्लैया झील में मिट्टी भराव को लेकर ऑल पार्टी नेताओं का विरोध



बांसवाड़ा, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को बांसवाड़ा स्थित आरएमबी गेस्ट हाउस में येल्लैया झील से जुड़े मुद्दों को लेकर ऑल पार्टी मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विपक्षी दलों के पार्षदों एवं नेताओं ने हिस्सा लिया तथा झील में हो रहे मिट्टी भराव एवं विकास कार्यों को लेकर गंभीर आपत्ति जताई। बैठक की अध्यक्षता विपक्षी पार्षदों ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान बीजेपी, बीआरएस, टीआरएस एवं टीडीपी नेताओं ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर येल्लैया झील को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। नेताओं ने कहा कि वास्तविक विकास किसानों के हित में होना चाहिए, लेकिन झील के समीप स्थित वेंचर प्लॉटों में सैकड़ों टिपर मिट्टी बेचने का कार्य किया जा रहा है। ऑल पार्टी नेताओं ने कहा कि सुंदरीकरण के नाम पर येल्लैया झील में मिट्टी डालकर किसानों की आजीविका प्रभावित की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि यही विकास है, तो यह जनता और किसानों के साथ अन्याय है। विपक्षी नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग के अधिकारी इस मामले पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बांसवाड़ा नगर पालिका के सात विपक्षी पार्षदों ने इस संबंध में आरडीओ को एक पिटिशन सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। नेताओं ने बताया कि एक दिन पूर्व कलेक्टर को भी ज्ञापन दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद कथित रूप से रूलिंग पार्टी के नेताओं द्वारा मिट्टी के टिपरों की बिक्री जारी है। उन्होंने कहा कि यदि इस कार्य को तुरंत नहीं रोका गया, तो कलेक्टर एवं आरडीओ के समक्ष बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। नेताओं ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि यदि वास्तव में विकास करना है, तो किसानों के खेतों में मिट्टी पहुंचाई जाए, न कि झील क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया जाए।

नई पीढ़ी को संस्कार, सेवा और परिवार से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : राम प्रकाश अग्रवाल



हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास रविवार को नियमित अनदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और आत्मीयता के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लेकर सेवा कार्य में अपनी सहभागिता निभाई। इस दौरान दादा और पोती के प्रेम, स्नेह और अपनत्व से भरे रिश्ते ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया तथा कार्यक्रम को भावुक और प्रेरणादायी बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और बुजुर्गों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि सेवा और संस्कार की परंपरा तभी मजबूत होती है जब परिवार की हर पीढ़ी एक साथ जुड़कर समाजहित के कार्य करे। दादा और पोती का आत्मीय रिश्ता कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। उपस्थित लोगों ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ऐसे दृश्य समाज को परिवार और संस्कारों का महत्व याद दिलाते हैं। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि आज की नई पीढ़ी को संस्कार, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और मानवता के संस्कार देना भी जरूरी है। जब बच्चे अपने माता-पिता और बुजुर्गों के साथ सेवा कार्यों में भाग लेते हैं तो उनमें संवेदनशीलता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल

काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच द्वारा संयुक्त जयंती विशेष अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच की तरफ से 23 मई, शनिवार, 2026 की सांध्य बेला में 6 बजे से संयुक्त जयंती विशेष कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मातृदिवस, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर जयंती, ओज कवि रामधारी सिंह दिनकर जयंती, बालकृष्ण शर्मा नवीन जयंती विशेष कविताएँ पढ़ी गईं। यह कार्यक्रम ऑनलाइन जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया। अमेरिका से हमारे साथ जुड़ी श्रीमती मीना चौहान जी, जो काव्य कौमुदी ग्रुप की प्रमुख सलाहकार भी हैं, ने प्रसिद्ध ओज कवि एवं स्वतंत्रता सेनानी स्व. रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा सात खंडों में रचित प्रसिद्ध कृति रश्मिरेथी से श्री कृष्ण-कर्ण के मार्मिक संवाद को उद्धृत कर उस प्रसंग की विशेष रूप से चर्चा की और चर्चा में जब ये पंक्तियाँ पढ़ी गईं तब सभी की आँखें भर आईं: पत्थर समान उसका हिय था, सुत से समाज बढ़कर प्रिय था गोदी में आग लगा करके, मेरा कुल-वंश छिपा करके क्या हुआ कि अब अकुलाती है? किस कारण मुझे बुलाती है? रश्मिरेथी से कृष्ण-कर्ण संवाद, मातृदिवस पर मर्मस्पर्शी रचनाएँ हिसार, हरियाणा से जुड़े श्री पृथ्वी सिंह बेनीवाल विश्वेश जी ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर पर लिखी अपनी सुंदर कविता पढ़ी: रविन्द्र नाथ टैगोर बंगाली कवि थे। महान उपन्यासकार और रवि थे। बंगाली साहित्य के सुंदर आधार थे। महादार्शनिक और नाटककार थे। भारत का राष्ट्रगान जन गण मन। बांग्लादेश आमार सोनार बांग्ला है। रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा रचित है। भुवनेश्वर, उड़ीसा से डॉ. मंजुला अस्थाना महती ने भी गुरुवर पर अपनी रचना पढ़ी और शांतिनिकेतन की भव्यता का उल्लेख किया। मेरठ से जुड़ी डॉ. रूपाली सिरकर गौड़ ने तिरंगे में लिपटी माँ की अर्धांश पर मर्मस्पर्शी कविता सुनाई। दिल्ली की डॉ. पुर्वेश भाटिया ने बहुत सुंदर भजन सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन हैदराबाद की डॉ. कुमुद बाला ने किया तथा ओज कवि बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' पर उनकी विद्वेही कविता सुनाई- हम ज्योति पुंज दुर्दम, प्रचंड, हम क्रांति-चक्र के घन प्रहार, हम विप्लव-रण-चंडिका-जनक, हम विद्रोही, हम दुर्निवार! हम गरज उठे कर धोर नाद, हम कड़क उठे, हम कड़क उठे, अंबर में छापी ध्वनि-ज्वाला, हम भड़क उठे, हम भड़क उठे! फेसबुक लाइव कवरेज की वजह से हजारों दर्शकों ने कार्यक्रम की सराहना की तथा पुनः इस प्रकार के आयोजन की मांग रखी। धन्यवाद जापन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।



पैर छुना महत्वपूर्ण परंपरा है और आज भी इसका पालन काफी लोग करते हैं। इस परंपरा के संबंध में कई नियम भी हैं। इस परंपरा के पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक, दोनों ही कारण बताए गए हैं। जब भी कोई व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो या पुरुष, आपके पैर छुए तो उन्हें आशीर्वाद तो देना चाहिए, साथ ही भगवान का नाम भी लेना चाहिए।

प्रणाम और चरण स्पर्श करता है। उसकी उम्र, विद्या, यश और शक्ति बढ़ती जाती है।

जब भी कोई हमारे पैर छूता है तो उस समय भगवान का नाम लेने से पैर छूने वाले व्यक्ति को भी सकारात्मक

है। आमतौर पर तीन तरीकों से पैर छुए जाते हैं। पहला तरीका- झुककर पैर छूना। दूसरा तरीका- घुटने के बल बैठकर पैर छूना। तीसरा तरीका- साष्टांग प्रणाम करना।

क्या है फायदे

शास्त्रों में लिखा है कि-
अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।

फल मिलते हैं। आशीर्वाद देने से पैर छूने वाले व्यक्ति की समस्याएं खत्म होती हैं, उम्र बढ़ती है और नकारात्मक शक्तियों से उसकी रक्षा होती है। हमारे द्वारा किए गए शुभ कर्मों का अच्छा असर पैर छूने वाले व्यक्ति पर भी होता है। जब हम भगवान को याद करते हुए किसी को सच्चे मन से आशीर्वाद देते हैं तो उसे लाभ अवश्य मिलता है। किसी के लिए अच्छा सोचने पर हमारा पुण्य भी बढ़ता है।

पैर छूना या प्रणाम करना, केवल एक परंपरा नहीं है, यह एक वैज्ञानिक क्रिया है जो हमारे शारीरिक, मानसिक और वैचारिक विकास से जुड़ी है। पैर छूने से केवल बड़ों का आशीर्वाद ही नहीं मिलता, बल्कि बड़ों के स्वभाव की अच्छी बातों भी हमारे अंदर उतर जाती है। पैर छूने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे शारीरिक कसरत होती

झुककर पैर छूना- झुककर पैर छूने से हमारी कमर और रीढ़ की हड्डी को आराम मिलता है। घुटने के बल बैठकर पैर छूना- इस विधि से पैर छूने पर हमारे शरीर के जोड़ों पर बल पड़ता है, जिससे जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है।

साष्टांग प्रणाम- इस विधि में शरीर के सारे जोड़ थोड़ी देर के लिए सीधे तन जाते हैं, जिससे शरीर का स्ट्रेस दूर होता है। इसके अलावा, झुकने से सिर का रक्त प्रवाह व्यवस्थित होता है जो हमारी आंखों के साथ ही पूरे शरीर के लिए लाभदायक है। पैर छूने के तीसरे तरीके का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे हमारा अहंकार खत्म होता है। किसी के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति सम्पूर्ण भाव जगाना। जब मन में सम्पूर्ण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

हम अपने जन्म से मरण तक जो भी करते हैं उस सबका एक ही अंतिम मकसद होता है- स्थाई खुशी या निर्वाण अतः सत्य की खोज- 'निर्वाण या स्थाई खुशी' के लिए परमावश्यक है।

भागवान बुद्ध ने कहा है :-
"किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये सदियों से चली आ रही है, किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे बुजुर्गों ने कही हैं, किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे लोगों ने कही हैं, किसी चीज को मानने से पहले यह सोचो की क्या ये सही हैं, किसी चीज को मानने से पहले ये सोचो की क्या इससे आप का विकास संभव है, किसी चीज को मानने से पहले उसको बुद्धि की कसौटी पर कसो और आप को अच्छा लगे तो ही मानो नहीं तो मत मानो।"

अन्य धर्मों की तरह बौद्ध धर्म/धम्म का उद्देश्य किस ईश्वर और उसकी किताब के बहाने सामाजिक संगठन बनाकर व्यक्ति को ईश्वर

भगवान महावीर स्वामी के अनमोल विचार



किसी के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को इनका जन्म हुआ। इनका बचपन का नाम 'वर्धमान' था।

यदि कभी किसी का भला किया हो तो उसे भूल जाओ। और कभी किसी ने आपका बुरा किया हो तो उसे भूल जाओ। किसी के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। स्वयं से लडो, बाहरी दुश्मन से क्या लडना। जो स्वयं पर विजय कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी। असली शत्रु आपके भीतर रहते हैं, वो शत्रु हैं क्रोध, घमंड, लालच, आसक्ति और नफरत। खुद पर विजय प्राप्त करना लाखों शत्रुओं पर विजय पाने से बेहतर है। किसी आत्मा की सबसे बड़ी गलती अपने असली रूप को न पहचानना है, और यह केवल आत्म ज्ञान प्राप्त कर के ठीक की जा सकती है।

शादी के बाद इन उपायों से मिलेगी समृद्धि और शांति

हिंदू धर्म में विवाह को पवित्र संस्कार माना गया है। जिस तरह विवाह न होने की दशा में वास्तु उपाय आजमाते हैं, ठीक उसी तरह विवाह के बाद भी वास्तु उपाय आजमाए जाएं तो वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा। इसके लिए आसान से उपाय हैं जो कोई भी विवाहित व्यक्ति आजमा सकता है। श्रावण माह 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। ऐसे में भगवान शिव की हर दिन पूजा-अर्चना करें। राशि के अनुसार रत्न धारण करें। बेडरूम में भगवान के कैलेंडर या तस्वीरें या फिर धार्मिक आस्था से जुड़ी वस्तुएं नहीं रखें। ऐसे में पति-पत्नी के बीच झगडा होना स्वाभाविक हो जाता है। बेहतर है प्राकृतिक सौंदर्य दर्शाने वाली तस्वीर लगाएं। इससे मन को शांति मिलती है, पति-पत्नी में झगडे नहीं होते। परिवार में लड़ाई-झगडों से बचने के लिए ड्रॉइंग रूम यानी बैटक में गुलाब, मोगरा जैसे फूलों का गुलदस्ता लगाएं। ऐसे में आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा। ऐसे कपल जिनकी अभी नई शादी हुई है उनके बेडरूम उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। यह दिशा वायु देवता की है। इस दिशा में बना शयन कक्ष नवदंपति के बीच होने वाला



भगवान शिव की हर दिन पूजा-अर्चना करें। राशि के अनुसार रत्न धारण करें। बेडरूम में भगवान के कैलेंडर या तस्वीरें या फिर धार्मिक आस्था से जुड़ी वस्तुएं नहीं रखें। ऐसे में पति-पत्नी के बीच झगडा होना स्वाभाविक हो जाता है।

संपर्क बेहतर बनाएगा। यानी उनके संबंधों को और उत्तेजक व सुखमय बना देगा। ध्यान रखें कि गुगल इस दिशा में बने शयन कक्ष को थोड़े समय के लिए वायु देवता की है। इस दिशा में बना शयन कक्ष नवदंपति के बीच होने वाला

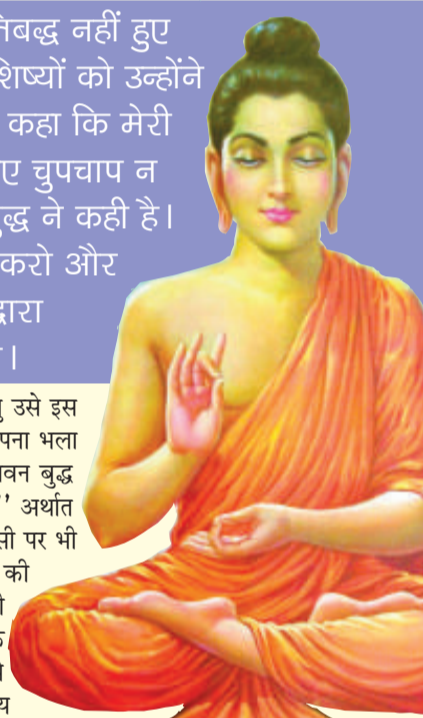
इस सयन कक्ष का प्रयोग किया जाना उनके संबंध में अस्थिरता पैदा कर सकता है। वास्तु के अनुसार, विवाहित जोड़े का शयन कक्ष दक्षिण अथवा दक्षिण-पश्चिम में होना चाहिए। इससे उनके बीच स्थायी संबंध रहता है।

क्या आप जानते हैं बौद्ध धर्म के उद्देश्य क्या है

बुद्ध स्वयं कहीं प्रतिबद्ध नहीं हुए और न तो अपने शिष्यों को उन्होंने कहीं बांधा। उन्होंने कहा कि मेरी बात को भी इसलिए चुपचाप न मान लो कि उसे बुद्ध ने कही है। उस पर भी सन्देह करो और विविध परीक्षाओं द्वारा उसकी परीक्षा करो।

भरोसे छोडना नहीं है अपितु उसे इस लायक बनाना है की वो अपना भला खुद कर सके इसीलिए भगवान बुद्ध कहते हैं "अतः दीपो भव" अर्थात् अपना दीपक खुद बनो किसी पर भी निर्भर न रहो। बौद्ध धम्म की उत्पत्ति ही इसलिए हुई कि प्रत्येक व्यक्ति मनोवैज्ञानिक रूप से इस काबिल बन जाये की वो नेतिकता के मूल उद्देश्य को समझ सके, क्योंकि यह सर्वमान्य है की एक व्यक्ति में सभी कुछ योग्यता होती है। बस इस योग्यता को बहार किस प्रकार से या किस माध्यम से निकाला जाये यह मुख्य है। और सिर्फ शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो इस योग्यता को बाहर निकलती है।

मनुष्य जिन दुःखों से पीडित है, उनमें बहुत बडा हिस्सा ऐसे दुःखों का है, जिन्हें मनुष्य ने अपने अज्ञान, गलत



स्थाई खुशी या निर्वाण अतः सत्य की खोज- 'निर्वाण या स्थाई खुशी' के लिए परमावश्यक है। खोज अज्ञात सत्य की ही की जा सकती है, यदि सत्य किसी शास्त्र, आगम या उपदेशक द्वारा ज्ञात हो गया है तो उसकी खोज नहीं। अतः बुद्ध ने अपने पूर्ववर्ती लोगों द्वारा या परम्परा द्वारा बताए सत्य को और वेद पुराण जैसे हर काल्पनिक धर्म ग्रंथों को नकार दिया और अपने लिए नए सिरे से सत्य की खोज की। बुद्ध स्वयं कहीं प्रतिबद्ध नहीं हुए और न तो अपने शिष्यों को उन्होंने कहीं बांधा। उन्होंने कहा कि मेरी बात को भी इसलिए चुपचाप न मान लो कि उसे बुद्ध ने कही है। उस पर भी सन्देह करो और विविध परीक्षाओं द्वारा उसकी परीक्षा करो। जीवन की कसौटी पर उन्हें परखो, अपने अनुभवों से मिलान करो, यदि तुम्हें सही जान पडे तो स्वीकार करो, अन्यथा छोड दो। यही कारण था कि उनका धर्म रहस्याडम्बों से मुक्त, मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत एवं हृदय को सीधे स्पर्श करता था। संसार में केवल सौम्य बुद्ध का सिद्धांत ही ऐसा है तो हर युग में हर परिस्थिति में एक सा ही लाभकारी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बौद्ध धम्म में ऐसा कुछ भी स्वीकार नहीं होता जिसका प्रमाण उपलब्ध न हो, यही बौद्ध धम्म का सार है।

स्वास्तिक शब्द का मतलब है सौभाग्य

संस्कृत में स्वास्तिक शब्द का मतलब सौभाग्य है। स्वास्तिक को विश्व के कई देशों में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इन देशों के लिए स्वास्तिक के चिन्ह का अपना एक अलग अर्थ और महत्व रहा है।

वहीं भारत में इस चिन्ह को भगवान गणेश और लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि यहाँ किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने से पहले इसे पूजा की जगह पर चिन्हित किया जाता है। चार हजार साल पहले सिंधु घाटी की सभ्यता में भी स्वास्तिक के प्रमाण मिलते हैं।

वास्तुशास्त्र के अनुसार स्वास्तिक उत्तर, पश्चिम, पूर्व, दक्षिण दिशाओं का प्रतीक है। लेकिन लंबे समय से सौभाग्य का प्रतीक रहे स्वास्तिक के चिन्ह को उस समय खोफ और नफरत का प्रतीक माना जाने लगा जब इस चिन्ह को हिटलर ने अपना लिया था।

पूर्वी यूरोप यूरोप के शुरूआती दौर में स्वास्तिक का प्रयोग एक पवित्र चिन्ह के रूप में किया जाता था। वास्तव में इसका संबंध सबसे शाक्तिशाली नॉर्स देवता, 'थॉर' से है। यह माना जाता है कि उनके प्रसिद्ध हथौडे के पीछे 'स्वास्तिक' का चिन्ह बना था।

ग्रीस प्राचीन ग्रीस का एक चिन्ह स्वास्तिक जैसा ही दिखता है, जिसे Gammadion कहते हैं। ये चिन्ह वहाँ की वर्णमाला के उन चार कैपिटल शब्दों से मिलता-जुलता है, जो 'कॉमन सेंटर' को जोड़ते हैं।

प्राग्भिक ईसाई समुदाय

अपने प्रारंभिक दौर में क्रिश्चन स्वास्तिक का प्रयोग क्राइस्ट के चिन्ह के रूप में करते थे। ये जोसेस के क्रॉस का प्रतिनिधित्व करता था। और जब रोमन द्वारा क्रिश्चन को सताया जा रहा था, उस दौरान भी इस चिन्ह का प्रयोग रोजाना किया जाता था। यहाँ तक कि पादरियों ने भी अपनी पोशाक पर 'स्वास्तिक' के चिन्ह को बना रखा था।

फिनलैंड हजारों सालों से फिनलैंड में स्वास्तिक को एक अच्छी तकदीर का चिन्ह माना जाता है। ये चिन्ह फिनलैंड की संस्कृति और इतिहास के एक बड़े हिस्से में समाया है। और तो और 'स्वास्तिक के सीधे खडे' स्वरूप को सदियों से गहनों और कपडों पर इस्तेमाल किया जाता रहा है।

तिब्बत स्वास्तिक 'लौकिक ऊर्जा' के एक रूप का नाम है, जिसे Fohat का प्रतीक माना जाता है। मैडम हेलेना ने स्वास्तिक को कुछ इस तरह से परिभाषित किया है, 'असल में, स्वास्तिक एक अत्यंत शाक्तिशाली जीवन से जुडा है जो व्यवस्था के प्रति एक भरोसा स्थापित करता है।

हिन्दू समुदाय हिन्दू धर्म में किसी भी शुभ कार्य में स्वास्तिक का प्रयोग अलग-अलग तरीके से किया जाता है। चाहे वह शादी हो, बच्चे का मुंडन या कोई भी छोटी या बड़ी पूजा। स्वास्तिक शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द स्वास्तिका से हुई है जिसका अर्थ है 'कुछ अच्छा होने वाला है'। स्वास्तिक हिन्दू देवता गणेश

और देवी लक्ष्मी का भी चिन्ह माना जाता है।

अमेरिकी अमेरिका के मूल निवासी अपनी संस्कृति में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का चिन्ह मानते हैं। Navajo जनजाति के लोग इसके डिजाइन को चांदी के आभूषणों से लेकर अपनी कई चीजों को हिस्सा बनाते हैं, जिसे चारों दिशाओं का प्रतीक माना जाता है।

ब्रिटिश साहित्य ब्रिटिश रचनाकार ने स्वास्तिक का प्रयोग अपनी किताबों पर एक मुहर के रूप में किया था। उन्होंने अपनी किताबों से इस चिन्ह को तब हटा दिया, जब नाजी ने इसे अपना लिया था।

धार्मिक आंदोलन रायल नामक वैश्विक व मशहूर व्यक्ति ने स्वास्तिक और डेविड के सितारे दोनों को सांस्कृतिक रूप से अधिग्रहित किया। रायल में विश्वास रखने वालों का ऐसा मानना है कि डेविड के तारे अंतरिक्ष में शून्य का प्रतिनिधित्व करते हैं तो वहीं स्वास्तिक काल और समय के शून्य का द्योतक है।

यह एक बेहद नया आंदोलन था और स्वास्तिक के इस्तेमाल की वजह से इस रूप को काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पडा।

बौद्ध समुदाय बौद्ध धर्म में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का प्रतीक माना गया है। यह भगवान बुद्ध के पदिचन्हों को दिखाता है, इसीलिए इसे इतना पवित्र माना जाता है। यहाँ तक कि स्वास्तिक भगवान बुद्ध के हृदय, थैली और पैरों में भी अंकित था।

जानिए जब कोई आपके पैर छुए तो आपको क्या-क्या करना चाहिए

किसी के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति सम्पूर्ण भाव जगाना। जब मन में सम्पूर्ण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

पुराने समय से ही परंपरा चली आ रही है कि जब भी हम किसी विद्वान व्यक्ति या उम्र में बडे व्यक्ति से मिलते हैं तो उनके पैर छूते हैं। इस परंपरा को मान-सम्मान को दृष्टि से देखा जाता है। यह बात तो सभी जानते हैं कि बड़ों के पैर छुना चाहिए, लेकिन यह बात कम

ही लोग जानते हैं कि जब कोई हमारे पैर छुए तो हमें क्या करना चाहिए।

आमतौर पर हम इस बात का ध्यान रखते हैं कि हमारा पैर किसी को ना लगे। ऐसा होने पर हमें दोष लगता है और जब कोई हमारे पैर छुता है तब भी हमें दोष लगता है। अतः इस दोष से तो उनके पैर छूते हैं। इस परंपरा को मान-सम्मान को दृष्टि से देखा जाता है। यह बात तो सभी जानते हैं कि बड़ों के पैर छुना चाहिए, लेकिन यह बात कम

इस श्लोक का अर्थ यह है कि जो व्यक्ति रोज बडे-बुजुर्गों के सम्मान में

क्या है हिन्दू धर्म में पूजा के कमरे का महत्व



शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है। ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है।

हर एक हिन्दू घर में आप एक पूजा का कमरा जरूर पाएंगे। अगर आप जिंदगी के थपडे झेलते हुए अपने अंदर को टटोलना चाहते हैं तो एक जगह बेहद जरूरी है जो सिर्फ पूजा के लिए हो। हिन्दू धर्म में पूजा की अलग जगह बनाने को मान्यता दी गई है। घर में एक

पूजा का कमरा होने मात्र से जो लोग घर में रह रहे होते हैं उनको यह प्रतीत होता है कि भगवान असल में मालिक हैं और हम तो सिर्फ देखभाल करने के लिए हैं।

रोजमर्रा की जिंदगी में अगर इस बात पर विचार किया जाए तो आप वेदांत

के आसक्ति के सिद्धांत पर विश्वास करने लगेंगे।

इससे आप निष्पक्ष हो जाएंगे और अपने कर्तव्य अलिप्त होकर पर बिलकुल मन से कर पाएंगे। सहभागिता इस बात को समझने से आती है कि किया जाने वाला काम अपना है। जिंदगी तब काफी आसान हो जाती है और यह एक नदी की तरह हो जाती है जो राह में बाधा आने पर भी बिना किसी थकान के समुद्र में मिल जाती है। जब आप शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है।

ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है। अगर आप मन करते हैं दिल के बोझ को हल्का करता है और श्रद्धालु की श्रद्धा को बढ़ाता है। अगर अहम की वजह से आप भगवान को घर का मालिक नहीं मान सकते तो कम से कम अपने घर का सबसे प्रमुख गेस्ट तो मान ही सकते हैं। घर में पूजा का कमरा होने से भगवान से आपका भावुक बंधन बनता है। वह सर्व वयापक हैं और आपके घरों में भी रहते हैं। इसलिए पूजा के कमरे को इंसान की आध्यात्मिक यात्रा का द्वार भी माना गया है।

हनुमान कवच में है अपार शक्ति

श्री हनुमान कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असौम्य शक्ति को जानते हैं।

इस कवच को शक्ति को मन को एकाग्र: करके असौम्य साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षस व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है। यह कवच आपको टोनों टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है। इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते हैं अतः इसे शोकनाश भी पुकारा जाता है।

मूल मंत्र :
इस कवच का मूल मंत्र है : ॐ श्री हनुमंते नमः

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे। इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है।

साफ घर स्वस्थ घर



घर की उचित साफ-सफाई न होना भी तनाव का कारण बन सकता है। यह जानकर शायद आपको हैरत होगी कि कुछ लोगों में खासतौर पर महिलाओं में अपने घर और परिवार के सदस्यों द्वारा साफ-सफाई के संबंध में की जाने वाली लापरवाही तनाव और उच्चरक्तचाप का कारण भी बन जाती है।

हालांकि यह बात स्वभावगत है पर स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखें तो पर्सनल हाइजीन के साथ-साथ घर और अपने आस-पास की सफाई बेहद जरूरी है। यह न सिर्फ स्वास्थ्यवर्धक है, बल्कि अच्छा रहन-सहन बनाए रखने के लिए भी जरूरी है।

घर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप यह जानें कि आपके घर में कौन-कौन सी ऐसी जगह हैं, जिनका कीटाणुओं और छोटे-छोटे जीवों को निमंत्रण करने में प्रमुख योगदान है। किचन में बनी नाली और वॉशबेसिन के आसपास पानी एकत्रित होना और सफाई न रहना, कुकिंग गैस, सिंक, रसोई में साफ-सफाई के लिए इस्तेमाल में आने वाले कपड़ों को नियमित साफ नहीं करना कीटाणुओं को बुलावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साथ ही फर्श के अलावा घर का फर्नीचर, कारपेट, फूलदान, पंखे, ट्यूबलाइट आदि चीजों की नियमित साफ-सफाई बेहद जरूरी है। ध्यान रखें कि यहां पानी एकत्रित न हो साथ ही गंदगी न फैले। इसके उचित उपायों को अपनाते हुए घर को स्वच्छ और कीट, मच्छर से रहित रखने का प्रयास करें। यदि समय और ऊर्जा की बचत करना चाहते हैं तो एक अच्छे क्लीनर की मदद लें। यदि आपके नियमित इस्तेमाल की वस्तुएं धूल और मिट्टी से मुक्त हैं तो आपका घर कीट और गंदगी में पनपने वाले जीवों से भी मुक्त होगा। जाहिर है कि आप इसके साथ आने वाली कई बीमारियों को अपने घर में प्रवेश करने से रोक पाएंगे। साफ-सुथरी जगह मानसिक शांति देती है और अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करते हैं।

दिमाग को सक्रिय करना मोबाइल



अक्सर आपने युवाओं को फोन से चिपके देखा होगा। उन्हें देखते ही आपके मन में एक ही ख्याल आता है कि बहुत ज्यादा मोबाइल फोन पर चिपके रहने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन आपको बता दें कि आपकी ये धारणा गलत है। हाल ही में अमेरिका के नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने कुछ दिलचस्प तथ्यों को खोज निकाला है।

दिमाग की सक्रियता बढ़ाता फोन

शरीर को नुकसान पहुंचाने वाला मोबाइल फोन दरअसल दिमाग को अलग-अलग रूपों में प्रभावित करता है। अध्ययन के अनुसार, जो लोग मोबाइल से लंबे समय तक बात करते रहते हैं उनके दिमाग अधिक सक्रिय हो जाता है। इस बात को पुष्टा करने के लिए 47 वर्ष तक के लोगों पर लगभग एक साल तक परीक्षण किया गया। मोबाइल को प्रतिभागियों के दोनों कानों पर कुछ-कुछ समय के लिए प्रयोग करवाया गया। बारी-बारी से दोनों साइड्स पर 50-50 मिनट मोबाइल का प्रयोग करवाया गया। इनमें से कुछ ऐसे प्रतिभागी भी थे जो मोबाइल फोन का प्रयोग करना नहीं जानते थे।

क्या कहता है शोध

ये शोध के परिणाम पीईटी (पोस्ट्रीम एमिशन टोमोग्राफी) के द्वारा जांचे गए। जिसमें पाया गया कि मनुष्य के दाईं तरफ टेम्पोरल पोल के मोबाइल के एंटीना के संपर्क में आते ही ओरबिटोफ्रंटल कॉरटेक्स में 7 फीसदी ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। हालांकि ये अभी तक साबित नहीं हुआ है कि ग्लूकोज का बढ़ना खतरनाक है या नहीं। प्रमाणित सबूतों में ये बात साफ जाहिर है कि ग्लूकोज मोबाइल एंटीना का टेम्पोरल पोल के संपर्क में आते ही बढ़ता है। मनोचिकित्सक का कहना है कि मनुष्य में बढ़ने वाले इस ग्लूकोज से फायदा पहुंचता है या नहीं लेकिन इसका नुकसान कुछ नहीं होता।

पूजन से पहले क्यों बजाते हैं घंटी?



क्या आप जानते हैं कि मंदिरों में घंटियां क्यों होती हैं? यह परंपरा बहुत प्राचीन है। इसके पीछे मात्र परंपराएं ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक रहस्य भी हैं। जापान के बौद्ध मंदिरों में भी विशेष प्रकार की घंटियां होती हैं। श्रद्धालु इन्हें बजाकर अपने इष्ट देव के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। इनसे बहुत मधुर ध्वनि निकलती है। मंदिर की घंटी बजाने से विशेष प्रकार की ध्वनि तरंगें उत्पन्न होती हैं। जब वातावरण में इनका प्रसार होता है तो ये नकारात्मकता को दूर करती हैं और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। इससे मंदिर के आसपास का माहौल शांत और सुखद बनता है। लोगों को एक खास किस्म की आध्यात्मिक शांति मिलती है। अध्यात्म में माना जाता है कि नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह मन के अलावा वातावरण को भी प्रभावित करती है। जिस देश या घर में अशांति का माहौल होता है, वहां नकारात्मकता तेजी से पनपती है। घंटी का एक फायदा यह होता है कि इससे किसी अजनबी को भी यह ज्ञात हो जाता है यहां देवमंदिर है। इससे उसका शीश भगवान के सम्मान में झुक जाता है। शास्त्रों के अनुसार, घंटी बजाना दैवीय शक्ति को नमन करना है।

दूसरों की गलती पर उन्हें माफ़ी देना भले ही आसान हो लेकिन बात जब खुद को माफ़ करने की आती है तो शायद यह हमारे लिए आसान नहीं होता, क्योंकि इस बार गलती हमने की और इसके लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। अपराध बोध की भावना थोड़े समय के लिए ठीक है, इसे हावी न होने दें, नहीं तो परेशानी बढ़ेगी। इंसान से गलतियां हो सकती हैं, इससे सीख लीजिए, खुद को माफ़ कीजिए, खुशी बनी रहेगी।

खुद को माफ़ करें...

श्रीमद भागवत में एक कहानी है राजा अजामिल की। उस राजा में अनेकों दुराग थे। जब वह अपनी मृत्यु शैया पर पहुंचा तो उसने अपने पुत्र को बुलावाया जिसका नाम नारायण था और जब राजा ने ईश्वर के नाम का उच्चारण किया तो उसे मुक्ति प्राप्त हुई। यह कहानी लोगों में विश्वास जगाती है कि उनका अतीत कैसा भी क्यों न हो, पछतावा करने या अपराधी महसूस कर समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं। यदि तुम अंतिम क्षण में भी ईश्वर की ओर मुड़ते हो, तो तुम्हारे मुक्त होने की संभावना है। यह कहानी सिखाती है कि अतीत में की गई भूलों के प्रति अपराधबोध से ग्रस्त नहीं होना है। जब हम मासूम होते हैं और वर्तमान क्षण में टिके रहते हैं तब अपनी भूल का अहसास हो जाता है। ऐसे में हम पहले से ही उस भूल से बाहर निकल जाते हैं। अतीत के बारे में सोचते रहने के बजाय बस जाग जाओ और उसे स्वीकार करो। आगे बढ़ जाओ और दूसरों पर या स्वयं पर दोषारोपण में मत फंसो।

सामाजिक भावना

हमारा अपराधबोध एक तरह से वह सामाजिक भावना भी है, जिसमें हम सबके साथ जुड़े रहना चाहते हैं। संबंधों को बचाए रखना चाहते हैं। पर परेशानी यह है कि हम अपने घावों को भरने की जगह उन्हें कुरेदते रहते हैं। जिंदगी में हार, बर्बरता, उपेक्षा, निराशा और शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है, पर जब ऐसा कई बार होता है तो हम खुद को ही समस्या मानने लगते हैं। खुद को सजा देने के सिलसिले में ऐसे कदम उठाते हैं, जिनका असल समस्या से ताल्लुक ही नहीं होता। जैसे, वजन कम नहीं हो रहा या मानते हैं कि सुंदर नहीं हैं, तो गुस्से में अपना ध्यान रखना ही छोड़ देते हैं, सबसे अलग थलग रहते हैं। अधिक खर्च करने की आदत पर गुस्साते हैं, पर अपने भविष्य के प्रति लापरवाह भी हो जाते हैं। हर समय दूसरों की प्रशंसा और भलाई बटोरने का भाव एक ऐसा जहर है, जो मन में अपनी कमियों का बोझ बढ़ाता जाता है। क्या उस तरफ बढ़ना ठीक है, जो खुद के लिए हीनता और शर्मिंदगी को बढ़ाता है? खुश रहना है तो खुद को गलत मानते रहने के चक्र को तोड़ना जरूरी है। खुद को साथ-साथ माफ़ करना भी सीखें।



अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार सुधार करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करें।

माफ़ी का महत्व

आपने अपने जीवन में कई लोगों को माफ़ किया होगा, माफ़ करने के बाद आपके अंदर अलग तरह का अनुभव आया होगा। इसका मतलब यह है कि माफ़ी से व्यक्ति को ऊर्जा तो मिलती है साथ ही मद में किसी प्रकार की कुंज नहीं रहती। तो माफ़ी के महत्व को जरूर समझें।

चुनौती की तरह न लें

आपने गलतियां की हैं तो खुद को माफ़ भी करें, खुद को सजा देने के बारे में हर वक़्त न सोचें। गलतियां इनसानों से होती हैं और ऐसे में खुद को माफ़ करना उस गलती से निकलना और उसे न दोहराने की कवायद है। अगर आप खुद को माफ़ नहीं करेंगे तो इससे आपका शारीरिक और मानसिक

स्वास्थ्य बिगड़ेगा।

भावनाओं को भी स्वीकारें

सभी के अंदर भावनाएं होती हैं और वे समय और परिस्थिति के अनुसार दिखाई भी देती हैं, आप भी इससे अछूते नहीं हैं। तो अपने क्रोध, भय, प्रेम, सहानुभूति आदि भावनाओं को स्वीकार करें। ये आपको खुद को माफ़ करने में मददगार साबित होंगी।

संपूर्ण कोई नहीं

शायद ही इस जहां में कोई ऐसा हो जो परफेक्ट यानी संपूर्ण हो, सबके अंदर कोई न कोई कमी जरूर है। अगर आप भी अपनी महात्वाकांक्षा के उद्धान पर हैं और आगे बढ़ने की कोशिश में गलतियां किए जा रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। अगर आपसे गलतियां हुई हैं तो इसे दूर कर फिर से कोशिश कीजिए। पुरानी गलतियों को लिए अगर आपने खुद को माफ़ कर दिया तो यह आगे बढ़ने के लिए आपको प्रेरित भी करेगा।

दूसरों को हावी न होने दें

कई बार आप खुद को माफ़ करना चाहते हैं लेकिन माफ़ नहीं कर पाते हैं, क्योंकि दूसरों की भावनाएं आपके ऊपर हावी होती हैं। यानी आपकी छवि आपके प्रकृति के अनुरूप है। तो ऐसे में कोशिश करें कि दूसरों की भावनाओं और उनके विचार को खुद पर हावी न होने दें, हमेशा खुद की सुनें और अपने प्रकृति के अनुसार ही व्यवहार करें।

खुद को सजा न दें

प्यार में धोखा खाने वालों को अक्सर लगता है कि उन्होंने अपने दिल की नहीं सुनी और आकर्षण में खुद की भावनाओं को ठेस पहुंचा दिया। बाद में जब उनका दिल टूटता है तो वे खुद को दुःख देने लगते हैं, खुद को ही प्रताड़ित करते हैं। ऐसा बिलकुल न सोचें, जो हुआ वह उस समय की मांग थी और आपसे गलती हो गई, वर्तमान में आप जो भी हैं उसपर ध्यान दें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

गलती को स्वीकारें

खुद को माफ़ करने की कवायद करने से पहले जरूरी है कि आपने जो गलती की है उसे स्वीकार करें। क्योंकि आपने उस वक़्त अपने विवेक से काम नहीं लिया और भावनाओं में बहकर, क्रोध और गुस्से में आकर गलती कर दी। इस बात को समझकर अपनी गलती को स्वीकार कीजिए। सामान्यतः हम अपनी भूलों को उचित ठहराते हैं ताकि अपराध का बोध न हो, पर से काम नहीं बनता। चाहे जो भी औचित्य हम दें अपराधबोध टिका रहता है। हम अपराधबोध का प्रतिरोध करते हैं और वह बना रहता है और फिर कहीं अन्तर की गहराई से हमारे व्यवहार को विकृत कर देता है। हमें अपने द्वारा की गई भूलों के लिए अपराधी महसूस करने का पूरा पूरा अधिकार है। पूर्ण रूप से दुखी बन जाओ पूरे एक मिनट, दस मिनट या पच्चीस मिनट के लिए, लेकिन उससे अधिक नहीं और फिर हम उससे बाहर निकल जाएंगे। भूल को सही साबित करने की बजाय उसे स्वीकार करो। औचित्य सिद्ध करना बहुत सतही है क्योंकि यह अपराधबोध को नहीं हटाता, बल्कि वह हमें अपराध का और भी अधिक बोध कराता है अपने अपराधबोध के साथ सौ प्रतिशत रहो और वह पीड़ा एक ध्यान की तरह बन जाएगी और अपराधबोध से भारमुक्त करेगी।



खुद को रखें स्ट्रेस फ्री...

वर्किंग लेडी कॉन्सेप्ट से हमारे मन में स्त्रियों की एक स्वच्छंद छवि बन जाती है। यह टर्म उन स्त्रियों के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है जो कि बेहद कुशलता से घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। ऑफिस, घर, सहकर्मी और परिवार को संभालने वाली स्त्रियों को मल्टीटास्कर कहा जाता है। उनसे जुड़े लोगों के लिए वे सुपरवुमन से कम नहीं होती हैं। उनकी परेशानियों को हर कोई समझता भी नहीं है, क्योंकि उन्हें अपनी समस्याएं साझा करने की ज्यादा आदत नहीं होती है। पर कभी-कभी आत्मनिर्भर स्त्रियों को भी दोहरी भूमिका निभाते-निभाते अवसाद होने लगता है। जानते हैं वक़ स्ट्रेस के कारण और उसके निवारण के उपाय।

वास्तविकता समझें

आपको यह समझना चाहिए कि ऑफिस का काम आपकी जिंदगी का जरा सा हिस्सा मात्र है। अपनी पूरी एनर्जी को उसमें ही डाल देने का नकारात्मक प्रभाव आपके निजी रिश्तों पर पड़ सकता है। फेमिली और प्रोफेशन में सही संतुलन बना कर चलें।

करें अपने मन की

आपके अति व्यस्त जीवन में आप खुद को भूलने लगती हैं। कभी-कभी समय निकाल कर अपना विश्रलेषण करें। अपनी पर्सनल-नापसंद, हुनर को समझें और समय दें। पुराने एलबम देखकर भूली-बिसरी यादें भी ताजा कर सकती हैं।

परिवार को भी दें समय

ऑफिस का काम घर पर लेकर न आए। बचा हुआ सारा समय खुद को व परिवार को समर्पित कर दें, वरना परिजन उन्निहत महसूस करेंगे। दिनर के बाद



सबके साथ टहलने जा सकती हैं या बच्चों का होमवर्क करवाएं। रोज एक ही दिनचर्या अपनाने से बेहतर है कि बीच-बीच में थोड़ा बदलाव करती रहें। अपने काम से ब्रेक लेकर अपने परिजनों या दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाएं। एक ही टाइमटेबल पर काम करते रहने से बोरीयत होने लगती है, इसलिए कुछ बदलाव जरूरी होता है।

सकारात्मक सोच

नकारात्मक विचारों से भी तनाव बढ़ता है। कोशिश करें कि ऐसे विचारों को दूर ही रखें। परफेक्शन के बजाय अपना बेस्ट देने का हरसंभव प्रयास करें। आप मोटिवेशनल किताबें भी पढ़ सकती हैं। न नहीं कह पाने की आदत की वजह से अपने ऊपर काम का बोझ न बढ़ाती रहें। काम उतना

ही करें, जितना आपके बस में हो। इससे आपका तनाव कम होगा और परिवार के लिए समय भी बचा सकेगी।

वर्कप्लेस पर एक्सरसाइज

अपनी दिनचर्या ऐसे निर्धारित करें कि उसमें फिजिकल वर्क भी शामिल हो। लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें। लंच ब्रेक के दौरान वॉक करने की आदत डालें।

रिलैक्स रहें

आराम करने का मतलब सिर्फ वेंकेशन पर जाना नहीं होता है। हर 4 से 5 घंटे में दो मिनट के लिए आंखें बंद कर आप खुद को रिलैक्स कर सकती हैं। अगर कंप्यूटर पर ज्यादा काम करना पड़ता है, तो बीच-बीच में आंखें बंद करके गहरी सांस लेते रहें।

बदलाव की बयार बहने दें

बदलाव समाज का सच है और वक़्त दर वक़्त यह बदलाव होता रहता है। ऐसे में आप कैसे पिछड़ सकते हैं, बदलते समाज और बदलते सामाजिक वातावरण के साथ खुद को अंदर भी बदलाव करें। यह भी सोचें कि इस बदलाव का असर आपके जीवन में क्या होगा, और क्या पता इससे आपकी काया ही पलट जाए और सफलता के नये आयाम तक पहुंच जाए।

संतुलन बहुत जरूरी

जीवन में समता यानी संतुलन बहुत जरूरी है, लेकिन अधिकांश लोगों का जीवन असंतुलित बना हुआ है। हमने एक ऐसी मानसिक स्थिति का निर्माण कर रखा है कि सुख की स्थिति आने पर हम खुशी से उछल जाते हैं और दुःख की स्थिति में मानो मुरझा जाते हैं जबकि हमें हर स्थिति में एक सा रहना चाहिए। सुख के साथ अहं और दुःख के साथ हीनता की ग्रंथि जुड़ जाती है जो हमारे दुखों का मूल है। दुखी व्यक्ति हीन भावना से ग्रस्त होता है और इतना ग्रस्त होता है कि वह निराशा का जीवन जीने लगता है। वह सोचता है, यह संसार मेरे जीने योग्य नहीं है। जीवन में मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है। सारा जीवन बेकार है।

सुख के साथ अहं की ग्रंथि

सुख के साथ अहं की ग्रंथि घुलती है और अब आदमी स्वयं को सम्राट मानकर जीता है। यह अहं भावना उसमें अनेक कुंठाएं पैदा करती है। निंदा होती है, आदमी घबरा जाता है, दुखी बन जाता है। प्रशंसा के दो शब्द सुनता है, खुशी से फूल जाता है तब उसे बोलने का पूरा विवेक नहीं रहता। वह अहंकार से ग्रस्त हो जाता है। इस प्रकार अनेक द्वंद हैं, जिनकी परिक्रमा हर इंसान कर रहा है। ये सारे द्वंद चित्त की स्थिति को विषम बनाए हुए हैं। चित्त की इस विषमता का नाम ही है संसार। हमारी अंतः-चेतना का सुझाव सदा समता की ओर रहता है, किंतु व्यवहार का गुरुत्वाकर्षण इतना तीव्र है कि वह विषमता की ओर खिंचता है।

लक्ष्य को हमेशा याद रखें

जो व्यक्ति समता के साथ जीते हैं उन्हें महान आदर्श माना गया है। यह जिंदगी केवल सुख-सुविधाओं के पीछे पागल बनकर खराब करने के लिए नहीं है। जीवन का लक्ष्य बहुत ऊंचा है। अपनी जिंदगी के उस दूरगामी और ऊंचे लक्ष्य को हमेशा याद रखें और उसी पर अपनी तीव्र दृष्टि टिकाएं रखें। अगर इन छोटी-मोटी सुविधाओं की ही जीवन का सार मान लिया जाए तो अपने विपुल वैभव को आप कोड़ियों में गंवा बैठेंगे। अपने इस विपुल खजाने को आप पहचानें, जो प्रकृति से विरासत में मिला है। इस मनुष्य शरीर के साथ मिली महान दैवी शक्तियों का वास्तविक और सही-सही उपयोग तब होगा जब आप ऐसा ऊंचा लक्ष्य बनाएंगे जिसे पाकर इस मनुष्य जीवन का मिलना सार्थक हो जाए। याद रखें, जीवन की सार्थकता भौतिक वस्तुओं या पदार्थों के जरिए उपलब्ध नहीं हो सकती।

सोशल नेटवर्क बनाएं

अपनी व्यस्तता के बीच में भी दोस्तों व पड़ोसियों के लिए समय जरूर निकालें। इससे आपका मूड और माहौल दोनों बदल जाएंगे। उनके साथ घुलने-मिलने से आप रिलैक्स महसूस करेंगे और काम में अपना बेहतर आउटपुट भी दे सकेंगे।

मी टाइम है जरूरी

जब आप वेंकेशन पर जाएं, अपने लैपटॉप व फोन से थोड़ी दूरी बना कर रहें। खुद के साथ समय बिताने की आदत डालें। सिर्फ परिवार या ऑफिस में ही व्यस्त रहेंगी तो स्ट्रेस बढ़ेगा। जितना हो सके, खुश रहें और खुद के लिए भी वक़्त निकालें। ज्यादा स्ट्रेस लेने से आप न तो अपने परिवार पर ध्यान दे पाएंगे, न ही ऑफिस के कामों पर। बीच-बीच में रीफ्रेश होते रहने से बैलेंस बना रहेगा।

गॉसिप में न उलझें

ऑफिस में माहौल तनावपूर्ण न बनने दें। माहौल ऐसा रखें कि सब बिना टेंशन के काम कर सकें। गॉसिप में उलझने के बजाय बेहतर काम करने के तरीकों पर चर्चा करें। अगर आपको लग रहा हो कि किसी के घर में कोई परेशानी है, किसी की तबियत खराब है या कोई चूँ ही टेंशन में है तो उसकी मदद करने की कोशिश करें। फ्री टाइम मिलने पर अपने सहयोगियों से बात जरूर करें। इससे सब एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझेंगे और कोई मुसीबत आने पर साथ भी खड़े होंगे।





लगातार दूसरे साल प्लेआफ से बाहर हुई चेन्नई सुपर किंग्स, हार के 5 बड़े कारण

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का अभियान निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन टीम इस बार भी प्लेआफ में जगह बनाने में असफल रही। चेन्नई ने 14 मुकाबलों में केवल 6 मैच जीते और लगातार दूसरे सीजन में अंतिम चार से बाहर हो गई। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम कई समस्याओं से जूझती नजर आई, जिसका असर उसके प्रदर्शन पर साफ दिखाई दिया। खिलाड़ियों की चोट, अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और युवा सितारों का खराब प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी परेशानी

बनकर सामने आया। इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे बड़ा झटका खिलाड़ियों की लगातार चोट रही। तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वहीं शानदार फार्म में चल रहे युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होना भी टीम के लिए बड़ा नुकसान साबित हुआ। खलील अहमद ने शुरुआती पांच मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह भी चोटिल होकर बाहर हो गए। आलराउंडर जेमी ओवर्टन बल्ले और गेंद दोनों से टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे थे, लेकिन सीजन के महत्वपूर्ण

चरण में उनकी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। महेंद्र सिंह धोनी की गैरमौजूदगी भी चेन्नई के लिए भारी पड़ी। चोट के कारण धोनी इस पूरे सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल सके। विकेट के पीछे से उनकी रणनीति और अनुभव की कमी साफ महसूस की गई। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ दबाव की परिस्थितियों में कई बार असाहाय नजर आए और टीम मुश्किल समय में वापसी नहीं कर सकी। धोनी की मौजूदगी हमेशा चेन्नई की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती रही है, लेकिन इस बार टीम उस नेतृत्व से वंचित

रही। चेन्नई ने आईपीएल 2026 के लिए कई युवा खिलाड़ियों पर बड़ा दांव लगाया था, लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। फ्रेंचइजी ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर लगभग 14.2 करोड़ रुपये खर्च किए थे, लेकिन दोनों खिलाड़ी प्रभावित करने में नाकाम रहे। उर्विल पटेल भी पूरे सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा सके और निरंतर प्रदर्शन नहीं कर पाए। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से टीम को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दोनों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

प्लेआफ से ठीक पहले आरसीबी के बेथेल आईपीएल से बाहर हुए

मुंबई। रजत पाटीदार की कप्तानी में आईपीएल 2026 के सत्र में शानदार प्रदर्शन कर प्लेआफ में पहुंचने वाली रायल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) टीम के सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेथेल की अंगुली में चोट लगी है, जिसके कारण ही वह आरसीबी की ओर से अब आगे नहीं खेल पाएंगे। बेथेल के बाहर होने से देखना होगा कि आरसीबी प्लेआफ मुकाबलों में विराट कोहली के साथ पारी की शुरुआत के लिए किसे उतारती है। टीम के लिए राहत की बात ये है कि अनुभवी फिल साल्ट पूरी तरह से फिट होकर खेलने के लिए तैयार है, और उम्मीद की जा रही थी कि वह बेथेल की जगह लेंगे। हालांकि, टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में विराट के साथ वेंकटेश अय्यर से पारी की शुरुआत कराई थी, और वेंकटेश ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। ऐसे में टीम प्रबंधन को यह तय करना होगा कि वे अनुभवी फिल साल्ट को उतारें या वेंकटेश अय्यर को बनायें रखें। आरसीबी से भी कर सकती है कि साल्ट को मध्य क्रम में उतारा जाय। यदि आरसीबी वेंकटेश को पारी में बरकरार रखती है, तो फिल साल्ट को विकेटकीपर जितेश शर्मा की जगह मध्य क्रम में उतारा जा सकता है। इसका कारण ये रहा है कि जितेश का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। अब देखना होगा कि आरसीबी कौन सा विकल्प अपनाती है।

टी20 विश्व कप की तैयारी में न्यूजीलैंड को मिली मजबूती, इंग्लैंड के खिलाफ डिवान ने दिखाया दम



नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने केंदरबरी में खेले गए दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड को 14 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में बराबर कर ली। न्यूजीलैंड की इस जीत में दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवान ने निर्णायक भूमिका निभाई। ×6 वर्षीय स्टार खिलाड़ी ने 57 गेंदों में 87 रन बनाए, जो इंग्लैंड के खिलाफ उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर था। आईसीसी के अनुसार पहले टी20 मैच में सात विकेट से हार के बाद मिली यह जीत महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड की तैयारियों को बढ़ावा देगी। यह टूर्नामेंट इंग्लैंड में खेला जा रहा है। ऐसे में यह जीत टीम को अतिरिक्त आत्मविश्वास प्रदान करेगी। वहीं, डिवान का फार्म में होना महत्वपूर्ण रहेगा, क्योंकि न्यूजीलैंड की इस दिग्गज खिलाड़ी ने विश्व कप खत्म होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। वह अपने करियर के अंत में दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीतना चाहेंगी। दूसरे टी20 मुकाबले में डिवान ने मैडी ग्रीन (56 रन नाबाद) के साथ 159 रनों की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 170 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में इंग्लैंड महिला टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 156 रन ही बना सकी और मुकाबला 14 रनों से हार गई। दोनों टीमों के बीच तीसरा टी20 मैच 25 मई को खेला जाएगा। वहीं महिला टी20 विश्व कप की बात करें तो इसकी शुरुआत 12 जून से हो रही है। न्यूजीलैंड 1 जून को साउथयम्पटन में अपने पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगी।

टेस्ट क्रिकेट के पांचों दिन बल्लेबाजी करने का अनोखा रिकार्ड, दुनिया के 13 महान बल्लेबाज जिसमें तीन भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण प्रारूप माना जाता है। पांच दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में खिलाड़ी की तकनीक, धैर्य, फिटनेस और मानसिक

मजबूती की असली परीक्षा होती है। क्रिकेट इतिहास में कई महान बल्लेबाज हुए, लेकिन टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरना बेहद दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। अब तक दुनिया के सिर्फ 13 बल्लेबाज ही यह अनोखा कारनामा कर पाए हैं, जिनमें भारत के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस ऐतिहासिक सूची में सबसे पहला नाम भारत के मोटगनहल्ली जयसिंघा का दर्ज है। उन्होंने 1960 में कोलकाता के इंडन गार्डन्स मैदान पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के पांचों दिन बल्लेबाजी की थी। पहली पारी में वह नौवें नंबर पर उतरे और नाबाद लौटे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने शानदार 74 रन बनाए थे। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जियोफ बायकाट ने 1977 की एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉटिंगहम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पहली पारी में 107 रन और दूसरी पारी में नाबाद 80 रन बनाए। इसके बाद आस्ट्रेलिया के किम ह्यूज ने 1980 के लार्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पांचों दिन बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 117 और दूसरी में 84 रन बनाए।

राजस्थान आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची सीजन की टॉप-4 टीमों तय, मुंबई 30 रन से हारी



मुंबई। आईपीएल में रिविवा को खेले गए पहले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। वानखेड़े स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ आईपीएल 2026 की टॉप-4 टीमों तय हो गई हैं। रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान ने प्लेऑफ में जगह बनाई है। 26 मई को कालिफायर-1 में बेंगलुरु और गुजरात आमने-सामने होंगे, जबकि 27 मई को एलिमिनेटर में हैदराबाद और राजस्थान की भिड़ंत होगी।

सूर्यकुमार यादव का अर्धशतक
मुंबई की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हुए, जबकि पावरप्ले में ही मुंबई ने 4 विकेट गंवा दिए। इसके बाद सूर्यकुमार यादव ने 60 रन और हार्दिक पंड्या ने 34 रन बनाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन लगातार गिरते विकेटों ने टीम को मैच से दूर कर दिया। राजस्थान के लिए जोफ्रा

आर्चर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। नांदे बर्गर, ब्रिजेश शर्मा और यश पुंजा को 2-2 विकेट मिले। राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल ने 38 रन, जोफ्रा आर्चर ने 15 गेंदों में 32 और दासुन शनाका ने 29 रन की पारी खेली। आखिर में रवींद्र जडेजा और नांदे बर्गर ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर 200 के पार पहुंचाया। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शादूल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। विल जैक्स, अल्लह गजनफर और कार्बिन बांश को 1-1 सफलता मिली।

तय हुई प्लेऑफ की टॉप-4 टीमों
लीग स्टेज के अंत में प्लेऑफ का टिकट हासिल करने वाली चारों टीमों अपने 18 और 16 अंकों के साथ तैयार हैं। डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी 18 अंकों और +0.783 के शानदार नेट रन रेट के साथ पाइंट्स टेबल में टॉप पर रही। वहीं गुजरात टाइटंस ने भी 18 अंकों और +0.695 के नेट रन रेट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। अपने आक्रामक टॉप ऑर्डर के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 18 अंकों और +0.524 के नेट रेट के साथ तीसरे स्थान पर कब्जा जमाने में कामयाब रही। मुंबई इंडियंस को आखिरी मैच में हराकर रियान पराग की

राजस्थान रॉयल्स ने 16 अंक हासिल किए और नंबर-4 के आखिरी पायदान पर अपना नाम पक्का किया।
कालिफायर 1 का समीकरण, रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और गुजरात टाइटंस
आईपीएल के नियमों के मुताबिक, पाइंट्स टेबल की टॉप दो टीमों यानी रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच कालिफायर-1 का मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में बाजी मारने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी। इस मुकाबले का सबसे बड़ा फायदा यह है कि हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर नहीं होगी, बल्कि उसे फाइनल में पहुंचने का एक और मौका कालिफायर 2 के रूप में मिलेगा।

एलिमिनेटर का रोमांच, सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स
तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स की टीमों के बीच यह करो या मरो का मुकाबला होगा। इस मैच को जीतने वाली टीम का सफर आगे बढ़ेगा और वह कालिफायर-2 में अपनी जगह बनाएगी। वहीं, इस मुकाबले में हार झेलने वाली टीम का सफर आईपीएल 2026 में यहीं पर खत्म हो जाएगा।

कालिफायर 2 और ग्रैंड फिनाले का पूरा गणित
एलिमिनेटर मैच खत्म होने के बाद कालिफायर-2 की जंग होगी, जिसमें कालिफायर-1 में हारने वाली टीम का सामना एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल का दूसरा टिकट कटाएगी। इसके बाद, आईपीएल 2026 की चमचमाती ट्रांफी के लिए कालिफायर-1 की विजेता और कालिफायर-2 की विजेता टीम ग्रैंड फिनाले के खिताबी मुकाबले में आपस में टकराएंगी।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे



नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया।

वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी की व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन करंट वेतन खूद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौकों भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

फ्रैंच ओपन टेनिस



फ्रांस की राजधानी रोला गैरा में फ्रैंच ओपन टेनिस में खेलते हुए सर्बिया के नोवाक जोकोविच।

दिल्ली ने सीजन के आखिरी लीग मुकाबले में कोलकाता को हराया

कोलकाता: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 70वां मुकाबला आज यानी 24 मई को कोलकाता नाइटराइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच कोलकाता के इंडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला गया। यह मैच दिल्ली ने 40 रन से अपने नाम कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स ने जीत के साथ अपना सीजन फिनिश किया। कैपिटल्स ने 14 अंक के साथ पाइंट्स टेबल में छठे पायदान पर फिनिश किया। दिल्ली के गेंदबाजों ने केकेआर के सामने की गजब गेंदबाजी

204 रन के टारगेट की पीछा करते हुए कोलकाता नाइटराइडर्स 18.4 ओवर में 163 रन पर ही ऑल आउट हो गई। कोलकाता के लिए सर्वाधिक 63 रन कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बनाए। रोबेन पवेल 29 रन बनाकर आउट हो गए। मनीष पांडे 25 रन बनाकर आउट हो गए। केकेआर का कोई बल्लेबाज खास योगदान नहीं दे पाया।

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने गजब बॉलिंग की। स्पिनर कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। 3 विकेट लुंगी एनगिडी ने भी झटके। 2 विकेट मिचेल स्टार्क ने लिए जबकि 1

सफलता कप्तान अक्षर पटेल को भी मिली। इस हार के साथ कोलकाता नाइटराइडर्स ने पाइंट्स टेबल में 13 अंक के साथ सातवें पायदान पर फिनिश किया है।

इंडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी डीसी ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 203 विकेट गंवाए। इस टीम ने 4.3 ओवर में अपना पहला विकेट खो दिया था।

अभिषेक 18 गेंदों में 4 चौकों के साथ 22 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद साहिल परख ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 30 गेंदों में 47 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 87 के स्कोर तक पहुंचा दिया। साहिल 17 गेंदों में 1 छके और 3 चौकों के साथ 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जहां से कप्तान अक्षर पटेल ने मोर्चा संभाला। पटेल ने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 19 गेंदों में 38 रन जुटाकर टीम को 125 के स्कोर तक पहुंचाया।



केएल राहुल 30 गेंदों में 4 छकों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान ने डेविड मिलर (8) के साथ चौथे विकेट के लिए 25 गेंदों में 41 रन की साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर की जोड़ी ने पांचवें विकेट के लिए 17 गेंदों में 35 रन जोड़े। मिलर 19 गेंदों में 3 छकों के साथ 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि आशुतोष ने 11 गेंदों में 18 रन की नाबाद पारी खेली। निपक्षी खेमे से सोम दुबे ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। अनुकूल राय, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती ने 1-1 विकेट हासिल किया।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान, बेटे आगे बढ़ रहे विरासत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में दीवार के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ताराशा।



उनकी कोचिंग में पृथ्वी शा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल

थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ। 11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कालेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की संजन डा. विजेता पेंडारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात परिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी

के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मोडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं। अब द्रविड़ परिवार की क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक आलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कृच बेहार ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

वसुधा कल्याण आश्रम द्वारा कल्याण परिवार मार्गदर्शक परिषद का गठन



हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वसुधा कल्याण आश्रम द्वारा समाज में प्रकृति-केंद्रित जीवनशैली, आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों तथा सार्वभौमिक कल्याण की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कल्याण परिवार मार्गदर्शक परिषद की स्थापना की गई है।

यह परिषद संगठन के प्रशासनिक कार्यों के लिए नहीं, बल्कि उसे नैतिक, आध्यात्मिक एवं वैचारिक दिशा प्रदान करने हेतु एक उच्चस्तरीय प्रेरणात्मक एवं बौद्धिक मंच के रूप में स्थापित की गई है।

परिषद के गठन के उपरांत उसके प्रथम सदस्य के रूप में महाबोधि बुद्ध विहार, महिंद्रा हिल्स, सिकंदराबाद, तेलंगाना के

निदेशक वंदनीय बुद्धपाल भते जी को कल्याण परिवार प्रज्ञा प्रहरी की सम्मानित उपाधि से अलंकृत किया गया।

यह सम्मान वसुधा कल्याण आश्रम के अध्यक्ष आचार्य श्री पावन महाराज जी द्वारा प्रदान किया गया। उनके ज्ञान, करुणा, आध्यात्मिक अनुशासन तथा सार्वभौमिक कल्याण के प्रति समर्पण को सम्मानित करते हुए उन्हें परिषद में विशेष स्थान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर वंदनीय बुद्धपाल भते जी ने कहा, करुणा, मानवता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता ही एक संतुलित समाज की सुदृढ़ नींव हैं। जब मनुष्य अपने भीतर जागरूकता, पारस्परिक सम्मान और सेवा की

भावना का विकास करता है, तब सामूहिक कल्याण का मार्ग और अधिक सशक्त होता है। वसुधा कल्याण आश्रम का यह प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा।

आश्रम के अध्यक्ष आचार्य श्री पावन महाराज जी ने कहा कि कल्याण परिवार मार्गदर्शक परिषद का उद्देश्य ऐसे अनुभवी, समाजनिष्ठ एवं प्रेरणादायी व्यक्तियों को एक मंच पर लाना है, जो अपने ज्ञान, जीवनानुभव और दूरदर्शी चिंतन से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बन सकें। उन्होंने कहा कि परिषद के सदस्य प्रशासनिक दायित्वों से अलग रहकर अपने मार्गदर्शन, संरक्षण, अनुभव और प्रेरणा के माध्यम से संगठन को सुदृढ़ आधार प्रदान करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में प्रकृति को सदैव माता के रूप में पूजनीय माना गया है। इसी शाश्वत दृष्टि के अनुरूप वसुधा कल्याण आश्रम प्रकृति-केंद्रित जीवनशैली, पंचमहाभूतों के प्रति श्रद्धा तथा मानव और प्रकृति के मध्य सामंजस्यपूर्ण संबंधों की पुनर्स्थापना हेतु निरंतर कार्य कर रहा है।

आश्रम ने विश्वास व्यक्त किया कि परिषद के सदस्यों का मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद इस पवित्र पहल को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा समाज में प्रकृति संरक्षण, मानवीय संवेदनशीलता और सार्वभौमिक कल्याण की भावना को नई दिशा प्रदान करेगा।



अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा की मासिक मेल मिलाप सभा बीकानवाला हैदराबाद में संपन्न हुई। जिसमें शाखा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, सचिव प्रतीक अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, मासिक मेल मिलाप सभा के संयोजक अजय गुप्ता, सदस्यगण और अग्र महिलाएं उपस्थित थे।

जाति जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला उत्साहजनक : नारेडला श्रीनिवास



मंचेरियाल, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जाति जनगणना को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बीसी समाज ने स्वागत किया है। बीसी समाज के राज्य सचिव एवं आदिलाबाद जिला अध्यक्ष नारेडला श्रीनिवास ने इसे बीसी समुदाय के लंबे संघर्ष की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि यह फैसला जाति जनगणना का विरोध करने वालों के मुंह पर कारा तमाचा है।

आदिलाबाद जिला कार्यालय में बीसी समाज द्वारा आयोजित बैठक में नारेडला श्रीनिवास ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जनगणना में बीसी जातियों की गणना की अनुमति देना सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि अब पूरे देश में ओबीसी परिवारों की व्यापक जनगणना कराई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बीसी समुदाय कई वर्षों से देशभर में पिछड़े वर्गों की आधिकारिक जनगणना एवं संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि देश की आधे से अधिक आबादी पिछड़े वर्गों से संबंधित है, इसलिए उनकी वास्तविक स्थिति जानने के लिए सटीक जातिवार आंकड़े आवश्यक हैं।

नारेडला श्रीनिवास ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि देश में सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक असमानताओं को दूर करने के लिए जाति जनगणना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकारों को प्रभावी एवं न्यायसंगत कल्याणकारी नीतियां बनाने के लिए वास्तविक आंकड़ों की आवश्यकता होती है। जनसंख्या अनुपात के अनुसार अधिकार एवं सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जाति जनगणना अनिवार्य है।

बैठक में बीसी समाज के सदस्यों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे सामाजिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

रुतबा बाय ईशा का भव्य शुभारंभ



हैदराबाद। हैदराबाद के हिमायतनगर स्थित दोशी क्रैस्ट अपार्टमेंट में 24 मई, 2026 को रुतबा बाय ईशा (टीलर लू खीहर) का भव्य उद्घाटन हुआ। यह नया बुटीक फैशन, लज्जरी और अनूटे स्टाइल को एक ही छत के नीचे लाने वाला एक नया ठिकाना बनकर उभरा। इस विशेष लॉन्चिंग के अवसर पर मशहूर अभिनेत्री रितिका चक्रवर्ती और उर्मिला चौहान (मिस इंडिया तेलंगाना 2023) ने मुख्य रूप से शिरकत की। दोनों हस्तियों ने बुटीक के फैशन, लाइफस्टाइल और लज्जरी के बेहद खूबसूरत और उत्कृष्ट कलेक्शन को पेश किया।

रुतबा बाय ईशा' को ग्राहकों के लिए बेहद किरफायती और बजट अनुकूल कीमतों (फांटेड फ्रेंडली प्राइसिंग) पर एक प्रीमियम शॉपिंग अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। यहाँ फैशन, शालीनता और आधुनिक शैली का एक बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। इस उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य अतिथियों, शुभचिंतकों और फैशन प्रेमियों ने हिस्सा लिया और इस खास पल के गवाह बने।

अपने शानदार माहौल और बेहद सोच-समझकर तैयार किए गए बेहतरीन कलेक्शन के साथ, यह स्टोर फैशन और लाइफस्टाइल में लज्जरी और विशिष्टता चाहने वाले ग्राहकों के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन बनने का लक्ष्य रखता है। इस खास मौके पर रुतबा बाय ईशा खुनुजा के प्रबंधन से ईशा खुनुजा और रोमल खुनुजा ने इस सफल लॉन्चिंग पर बेहद खुशी जाहिर की।

लोध क्षत्रिय समाज द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

10वीं से पोस्ट ग्रेजुएशन तक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोध क्षत्रिय स्नातक संघ एवं लोध क्षत्रिय सेवा संघ के तत्वावधान में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम धूलपेट स्थित रानी अवंती बाई लोध भवन में संपन्न हुआ, जिसमें समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संघ के महासचिव विशाल सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में हाल ही में दसवीं, इंटरमीडिएट, डिग्री एवं पोस्ट ग्रेजुएशन उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में लोध समाज के अध्यक्ष एडवोकेट महेश सिंह एवं स्नातक संघ के अध्यक्ष आर. दशरथ सिंह ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति का आधार है और विद्यार्थियों की



उपलब्धियां पूरे समाज के लिए गौरव का विषय हैं।

अवसर पर संघ के महासचिव विशाल सिंह, उपेंद्र सिंह एवं राकेश सिंह ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में लोध समाज के महामंत्री राजेश सिंह, उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, बलदेव सिंह, शैलेंद्र सिंह, युद्धर सिंह, मंत्री शिवा सिंह, शैलेंद्र सिंह (आईपीएस स्कूल), बी. राजा सिंह, डी. अंगद सिंह, पूर्व

संचालक रामराज सिंह, पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह, अंजू सिंह सहित अन्य गणमान्य सदस्यों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए प्रेरित किया तथा समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। समारोह का समापन विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन एवं शुभकामनाओं के साथ हुआ।

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने तमिलनाडु के मंत्री पी विश्वनाथन को सम्मानित किया



हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री पी विश्वनाथन ने रविवार को तेलंगाना के राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान श्री विश्वनाथन ने मंत्री पोंगुलेटी को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया, जबकि पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने तमिलनाडु के मंत्री और वेल्थर विधानसभा क्षेत्र से उनकी चुनावी जीत और तमिलनाडु कैबिनेट में शामिल होने के उपलक्ष्य में एक पारंपरिक शॉल और एक पौधा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने लगभग 59 वर्षों के बाद कांग्रेस की ओर से तमिलनाडु कैबिनेट में श्री विश्वनाथन के शामिल होने को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने उम्मीद जतायी कि मंत्री जन कल्याण के लिए काम करना जारी रखेंगे और तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में अपना योगदान देंगे।

इससे पहले दिन में श्री विश्वनाथन ने प्रजा भवन में तेलंगाना की मंत्री सीताका से भी शिष्टाचार भेंट की। मंत्री सीताका और मुलुगु के डीसीसी अध्यक्ष पैडाकुला अशोक ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें एक पारंपरिक शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

गौमाता...

उन्होंने इस विडंबना को रेखांकित किया कि इनमें से अधिकांश राज्यों में खुद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है, जो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और अब पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में गोवध के मुद्दे का राजनीतिकरण करके एक अलग रुख अपनाती है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा: हमारे हिंदू भाइयों की गाय के प्रति धार्मिक भावनाएं जुड़ी हुई हैं; इसलिए उनकी भावनाओं के सम्मान में गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित किया जाना चाहिए। पूरे देश में गोवध से जुड़े कानूनों में एकरूपता की मांग करते हुए मौलाना रशीद ने कहा कि देश भर में गोवध के खिलाफ एक ही समान कानून लागू होना चाहिए। मुस्लिम संगठनों के समन्वित प्रयासों की संभावना पर उन्होंने कहा कि इस दिशा में सभी धार्मिक संगठनों को आगे आना चाहिए।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एम गुट) के अध्यक्ष मौलाना अशद मदन ने पिछले बुधवार को जारी एक बयान में अपनी इस पुरानी मांग को दोहराया था। उन्होंने कहा था कि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाना चाहिए और गोवध के लिए गायों की खरीद-बिक्री करने वालों के साथ-साथ इसके मांस का व्यापार करने वालों के खिलाफ भी कड़े से कड़े कानूनी प्रावधान लागू किए जाने चाहिए।

संगठन की उत्तर प्रदेश इकाई के कानूनी सलाहकार मौलाना काब रशीदी ने स्पष्ट किया कि यह मांग नई नहीं है; मदन ने 2014 में मुंबई में आयोजित ऑल-फेथ कॉन्फ्रेंस (सर्वधर्म सम्मेलन) में भी यही मांग उठाई थी। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कई हिंदू संगठनों ने भी इस मांग को तेज किया है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस प्रगति नहीं देखी गई है।

बाबू काकरोच...

पीढ़ी की चिंताओं का सार्थक समाधान हो। उन्होंने कहा, शासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युवा खुद को अकेला या टगा

हूआ महसूस न करें, बल्कि अपनी आकांक्षाओं को वास्तविक अवसरों में बदलते हुए देखें।

हर आलोचना को देशविरोधी बताना गलत केंद्रीय एजेंसियों से देश को अस्थिर करने की साजिश रचने वाली बाहरी ताकतों के आरोपों की गहन जांच करने की बात कहते हुए राव ने यह भी जोड़ा कि हर आलोचना या असंतोष की अभिव्यक्ति को देशविरोधी करार देना भी उतना ही अनुचित होगा। उन्होंने टिप्पणी की कि एक परिपक्व लोकतंत्र में यह भरोसा होना चाहिए कि वह वास्तविक जनभावना और दुर्भावनापूर्ण हस्तक्षेप के बीच अंतर कर सके।

तेदेपा नेता ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के युवा देश के खिलाफ काम नहीं कर रहे हैं। वे बस अवसर, पारदर्शिता और जवाबदेह शासन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकारें राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के साथ-साथ युवाओं की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चंद्रबाबू नायडू ने हमेशा युवा कल्याण, रोजगार सृजन और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को प्राथमिकता दी है। उनके अनुसार, एनडीए सरकारें नौकरी सृजन, डिजिटल इंडिया पहल, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, विनिर्माण विस्तार, औद्योगिक विकास और वैश्विक निवेश को आकर्षित करने पर केंद्रित दूरदर्शी नीतियां चला रही हैं। इसके साथ ही, श्रीनिवास राव ने कुछ राजनीतिक दलों द्वारा अपने दलगत फायदे के लिए बेरोजगार युवाओं और छात्रों की निराशा का फायदा उठाने के प्रयासों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि नौकरियों, परीक्षाओं और अवसरों से जुड़ी जायज चिंताओं को राजनीतिक दुष्प्रचार में बदलना लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करने के बजाय उसे कमजोर करेगा।

पाक में

अनुशासन की वजह से बीएलए की आत्मघाती टुकड़ी मजीद खिरोड का हिस्सा बन गए। बीएलए का दावा है कि वे दस्त,

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कॉंबिला, केटा और कलात में कई गुरिल्ला ऑपरेशन चला कर थे और इससे पहले ऑपरेशन हीरोफ-1 और ऑपरेशन हीरोफ-2 में भी अहम भूमिका निभा चुके थे।

बीएलए ने यह भी दावा किया कि इस हमले ने उनकी खुफिया शाखा जबर्न की ताकत को साबित किया। संगठन ने कहा कि उनका सशस्त्र संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक बलूचिस्तान को पूरी आजादी नहीं मिल जाती।

व्हाइट हाउस में...

राष्ट्रपति ट्रंप वॉइटे हाउस के अंदर मौजूद थे। हालांकि, वे पूरी तरह सुरक्षित रहे। एक्स पर जारी शुरुआती बयान में एजेंसी ने कहा, शनिवार शाम 6 बजे (स्थानीय समयानुसार) के कुछ ही देर बाद 17वीं स्ट्रीट और पैसिल्वेनिया एवेन्यू के इलाके में एक व्यक्ति ने अपने बैग से एक हथियार निकाला और गोलीबारी शुरू कर दी।

बयान में आगे कहा गया कि सीक्रेट सर्विस पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें संदिग्ध को गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी मौत हो गई। एजेंसी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और अतिरिक्त जानकारी मिलने पर उसे साझा किया जाएगा। शनिवार को हुई गोलीबारी की घटना में एक राहगीर भी घायल हुआ है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि उस व्यक्ति को संदिग्ध की तरफ से चलाई गई गोलियों का भारी मार में भी अधिकारियों की जवाबी फायरिंग में घायल हुआ। सीक्रेट सर्विस ने बताया कि इस दौरान उनका कोई भी अधिकारी घायल नहीं हुआ और राष्ट्रपति पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

सीक्रेट सर्विस की जवाबी फायरिंग में मारे गए शख्स की पहचान नासीर बेस्ट के रूप में हुई है। 21 साल का बेस्ट मैरीलैंड का रहने वाला था। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बेस्ट कथित तौर पर मानसिक रूप से परेशान था और वह वॉइटे हाउस के करीब एंटी पोस्ट के आसपास मंडरता रहता था। सुरक्षा अधिकारियों का उससे पहले भी कई बार सामना हो चुका था। रिपोर्ट के अनुसार, वह सीक्रेट सर्विस की नजर में था, क्योंकि वह वॉइटे हाउस के आसपास घूमता रहता था और

अलग-अलग एंटी पॉइंट्स से अंदर जाने का तरीका पृथक् रहता था। कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, 26 जून 2025 को बेस्ट को वॉइटे हाउस के बाहर गाड़ियों की एंटी में बाधा डालने के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद 10 जुलाई को वह चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए वॉइटे हाउस के बाहर प्रतिबंधित इलाके में घुस गया। अधिकारियों ने जब उसे पकड़ा तब बेस्ट ने कहा कि वह ईसा मसीह है और गिरफ्तार होना चाहता है।

फालता ...

बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्यों को देखकर जनता ने पार्टी को और आशीर्वाद दिया है। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत की भी सराहना की और कहा कि पार्टी आने वाले समय में भी राज्य के विकास के लिए लगातार काम करती रहेगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने फलता विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार देबांशु की एक लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई जीत का श्रेय जनता को देते हुए तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डायमंड हार्बर मॉडल अब तृणमूल की हार-बार मॉडल बन गया है। शुभेंदु अधिकारी ने फलता की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भाजपा उम्मीदवार को भारी मतों से विजयी बनाया है। उन्होंने कहा कि इस जीत के ऋण को विकास के माध्यम से चुकाया जाएगा और फलता को 'स्वर्णिम फलता' बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो सिद्धांतों और विचारधारा से रहित होकर, एक माफिया कंपनी की तरह काम कर रहे थे।

सीएम ने आरोप लगाया कि सत्ता खोने के बाद तृणमूल कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि इस पार्टी ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर, जनता के पैसे लूटे, लोगों से जबरन वसूली की और धमकी भरे माहौल में अपना वर्चस्व कायम किया। नेताओं ने राज्य को अपनी जागीर समझ लिया था। उन्होंने एक ऐसे धोखेबाज

का भी जिक्र किया जिसने कमांडर का पद हथिया लिया और अपने अपराध सिंडिकेट को स्थापित करने के लिए लोकतंत्र का गला घोटने से भी बाज नहीं आया। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में तृणमूल ने डेढ़ लाख वोटों की बढ़त हासिल की थी, लेकिन 15 साल बाद जब लोगों को स्वतंत्र रूप से वोट डालने का आजादी मिली, तो सच्चाई सामने आ गई।

भाजपा के देबांशु ने सीपीएम प्रत्याशी को एक लाख+ वोट से हराया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर हुए दोबारा मतदान के बाद आज मतों की गिनती हुई। 22वें और अंतिम राउंड की गिनती पूरी होने के बाद भाजपा प्रत्याशी देबांशु पांडा को विजयी घोषित किया गया। दूसरे नंबर पर सीपीआईएम प्रत्याशी शंभू नाथ कुर्मी रहे। कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे, जबकि भाजपा सरकार बनने से पहले सत्तारूढ़ रही तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी को 7783 वोट मिले। बता दें कि 29 अप्रैल को मतदान के दौरान फलता सीट पर भारी तनाव व्याप्त हो गया था। कई बूटों से ऐसी शिकायतें आई थीं कि ईवीएम मशीनों पर इत्र जैसी कोई चीज और फिचिपेट टेप लगाए गए थे। इसके बाद जब चुनाव अधिकारियों ने मामले की गहन जांच की, तो पता चला कि कई पोलिंग बूथों पर वेब कैमरों के फुटेज के साथ भी छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी। इस मामले में बुध स्तर के अधिकारियों, पीठासीन अधिकारियों, मतदान कर्मियों और चुनाव पर्यवेक्षकों की भूमिका पर भी गंभीर सुवाल खड़े हुए थे।

गंगा में चलेंगी...

बैठक में कहा गया कि नावों की फिटनेस तथा अन्य सुरक्षा मानकों की जांच में माझी समाज को भी शामिल किया जाएगा। इसके लिए सर्वेक्षक की नियुक्ति की जाएगी। नावों के रजिस्ट्रेशन की जांच के लिए आरटीओ के साथ नगर निगम को शामिल करने का सुझाव दिया गया। उल्लेखनीय है कि आईडब्ल्यूआई की दो इलेक्ट्रिक नावें और एक हाइड्रोजन से संचालित नाव पहले से ही चल रही हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
 Head office
SHREE SIDDHINAYAK PUBLICATIONS,
 Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
 A.P.I.E., Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office
SHREE SIDDHINAYAK PUBLICATIONS,
 Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
 A.P.I.E., Balanagar,
 Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
महारे भाग्यनगर
 दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 25 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
 शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए
 मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज की तीसरी के.एस. बैठक संपन्न स्वास्थ्य, डिजिटल सुधार और सामुदायिक कल्याण पर विशेष जोर

राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज ने राधे रत्न टावर्स में अपनी तीसरी के.एस. बैठक सफलतापूर्वक संपन्न की, जिसमें स्वास्थ्य पहलों के विस्तार, डिजिटल सुधार और सामुदायिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल और सचिव डॉ. सीमा जैन के नेतृत्व में हुई।

मछली प्रसादन, पुरी यात्रा और वित्तीय प्रशासन पर हुई विस्तृत चर्चा

बैठक की शुरुआत महाराज अग्रसेन की पूजा-अर्चना से हुई, जबकि श्री हरि गोविंद ने सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में समाज के कार्यकारी सदस्य, शाखा प्रतिनिधि और गणमान्य उपस्थित थे। प्रमुख घोषणाएँ तथा निर्णय इस प्रकार हैं:-

मछली प्रसादन कार्यक्रम: 8-9 जून को आयोजित मछली प्रसादन की सफल व्यवस्था की रिपोर्ट श्री सुरेश जी द्वारा प्रस्तुत की गई। आयोजकों के बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रदर्शनी हॉल में एलईडी व्यवस्था और मीडिया कवरेज बढ़ाने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर कार्यालय ने वितरण के लिए प्राथमिकता वाले स्थान उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

पुरी यात्रा व आयोजन रिपोर्ट: समिति सलाहकार श्री गोपाल मोर ने पुरी में हुए स्वागत व व्यवस्थाओं की जानकारी दी और बताया कि अग्रवाल प्रतिनिधिमंडल का वहां सहायनीय स्वागत हुआ।

वित्त व प्रशासन: कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल ने केंद्रीय खातों व ऑडिट से संबंधित चुनौतियाँ बताईं। कुछ शाखा खातों के अभाव के कारण पूर्ण ऑडिट में देरी हो रही है; शीघ्र सहयोग का अनुरोध किया गया। श्रीशैलम परियोजना में भूमि उपलब्ध नहीं होने पर दाताओं को धन वापसी पर विचार किया जाएगा।

संविधान, अनुशासन और मध्यस्थता: सीए माधुसूदन के नेतृत्व में संविधान समिति ने व्यवस्था व अनुशासन को सुदृढ़ करने पर जोर दिया; कहा



गया कि कोई भी व्यक्ति समाज से ऊपर नहीं है। मध्यस्थता व अनुशासनात्मक समितियाँ गठित की गईं।

डिजिटल सुधार, सदस्यता पारदर्शिता और मेगा स्वास्थ्य पहल की महत्वपूर्ण घोषणाएँ

डिजिटल सुधार व सदस्यता: सदस्यता की पारदर्शिता हेतु आधार सत्यापन से डेटाबेस समेकित किया जाएगा। समाज ने अपनी वेबसाइट पर नियंत्रण वापस ले लिया है और नए प्रिविलेज कार्ड के लिए शाखा नेताओं द्वारा मोबाइल ओटीपी सत्यापन में सहयोग किया जा रहा है। संचार के लिए व्हाट्सएप ब्रॉडकास्ट, ब्लूक एसएमएस और वेबसाइट अपडेट का व्यापक उपयोग होगा।

मेगा स्वास्थ्य पहल: समाज ने मेडिकल कैंपों के विस्तार की घोषणा की है। सिर्फ एक शिविर के बजाय अब आठ जोन-स्तरीय चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। 6 जून को राधे रत्न टावर्स की 10वीं मंजिल पर केंद्रीय आयुर्वेदिक कैंप आयोजित होगा, जिसमें सदस्यों को 6,000 तक की निशुल्क सुविधाएँ दी जाएंगी। अन्य शिविरों की तिथियाँ और स्थल 20 जून (बालपन प्ले स्कूल), 27 जून (सिकंदराबाद बैंक हॉल), 4 जुलाई (गोल्डन टेम्पल हॉल), 11 जुलाई (जैन मंदिर) व अन्य निश्चित तिथियाँ।

आँधों-पेडिक और फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ

शिविरों के लिए मुफ्त पंजीकरण की व्यवस्था की जाएगी। समाज ने हर साल 250 निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य भी घोषित किया।

सफल परियोजनाओं पर आभार प्रदर्शन और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

सफल परियोजनाएँ व आभार: 10 दिवसीय समर कैंप में 75 छात्रों की भागीदारी रही; स्पॉन्सर श्री दीपक अग्रवाल का धन्यवाद किया गया तथा समर कैंप की टीम का भी आभार प्रकट किया। 'प्रोजेक्ट शक्ति' का शुभारंभ महिलाओं के कार्यक्रमों के लिए बैंकेट हॉल के उपयोग को बढ़ाने हेतु किया गया।

आगामी कार्यक्रम: आरएसएस के साथ संयुक्त कार्यक्रम 30 मई को शाम 7 बजे आयोजित होगा, मुख्य अतिथि डॉ. नीना जायसवाल होंगी। अन्य निर्धारित कार्यक्रमों में सामूहिक विवाह, जोनल सावन सैर, बैंक्स क्रिकेट, कपल प्रोग्राम, 11 जून को श्रीशैलम 1500 सदस्यीय यात्रा, जोन-वार दीपावली मिलन व हाईटेक सिटी में बड़ा महिला कार्यक्रम शामिल हैं।

मंच पर उपस्थित प्रमुख गणमान्य: श्री नरेंद्र कुमार गोयल (वॉकिंग प्रेसिडेंट), सीए हरि गोविंद प्रसाद (वाइस प्रेसिडेंट), डॉ. सीमा जैन (सेक्रेटरी), प्रतीक कुमार नरसरिया (जॉइंट सेक्रेटरी) व सीए राजगोपाल अग्रवाल (ट्रेजरर)।

कार्यकारी समिति / मुख्य कार्यालय पदाधिकारी (कार्यकारी समिति/मुख्य पदाधिकारी): सीए हरि गोविंद अग्रवाल - उपाध्यक्ष, डॉ. सीमा जैन - सचिव प्रतीक नरसरिया - संयुक्त सचिव, सीए राज गोपाल अग्रवाल - कोषाध्यक्ष

के.एस. सदस्य: संजय भालवाले, राकेश कुमार गनेरीवाल, नवल किशोर अग्रवाल, अनिल कुमार गर्ग, राजेंद्र शशि, अनिल कुमार अग्रवाल, विपिन कुमार अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सुरेश चंद्र गुप्ता, रिशे अग्रवाल, राम गोपाल दादावाले, सुनील कुमार केडिया, गिरधारीलाल अग्रवाल, हेमचंद्र गुप्ता, दीपक अग्रवाल, रमेश गुप्ता, सुमन गुप्ता।

महिला शाखा: बीना अग्रवाल, श्रीमती कविता गोयल, सुनीता तुलस्यान, शीतल रंगटा, किरण अग्रवाल।

समन्वयक: सुरेश अग्रवाल (तांडूर) जी, महेंद्र अग्रवाल, अजय तुलस्यान।

सह-नियोजित के.एस. सदस्य: दिनेश चंद्र अग्रवाल, डॉ. अशोक केडिया, पंकज अग्रवाल, निश्चित अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल।

विशेष आमंत्रित सदस्य: मनोज अग्रवाल, रानी मित्तल, दीपक अग्रवाल, सविता अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, मोहित कुमार अग्रवाल, एच. सी. गुप्ता, बबीता अग्रवाल, दिनेश अन, निदेश, सुकौश गुप्ता, पुनीत अग्रवाल।

सभी समिति अध्यक्ष: डॉ. सुरेश कुमार सिंघल, मुकेश केडिया, रिकू गर्ग, रामनिवास बंसल, प्रशांत देव गुप्ता, सीए मधुसूदन अग्रवाल, गोपाल मोर, नवल किशोर बंसल, सुरेश अग्रवाल (दिही वाला), कमल अग्रवाल, नरेंद्र कुमार गोयल, दिनेश केडिया, गोपाल अग्रवाल (रामनगर), सुरेश बंसल, प्रमोद मोर, महावीर प्रसाद अग्रवाल, जनार्दन सुरेखा, रमेश अग्रवाल, राम गोपाल अग्रवाल, महेंद्र जी अग्रवाल (कोत्तापेट), राजकुमार अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल।



हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित बिहार पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन शब्दा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया तथा सेवा भाव के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप लगातार सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना के साथ समाज के बीच कार्य कर रहा है। ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि लोगों के मन में अपनत्व, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना भी है। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा कार्य में सहभागिता निभाई और जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराया।

कार्यक्रम के दौरान सुभाष अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना गया है और जब यह कार्य सामूहिक भावना से किया जाता है तो समाज में एक नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मनीष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य सेवा को अपना सौभाग्य मानकर कार्य करता है। वहीं हरीश तोलाराम हिंदूजा ने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी ने नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

अग्रवाल समाज आबिड्स शाखा की वार्षिक आम सभा आयोजित



गतिविधियों पर अपना संबोधन देते हुए सभा को वर्तमान परिस्थितियों से अवगत कराया।

सभा में उपस्थित सदस्यों ने समाज की वर्तमान कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की।

सभा में यह मत व्यक्त किया गया कि वर्तमान में समाज का संचालन जिस प्रकार किया जा रहा है, वह पूर्णतः असंबन्धानिक प्रतीत होता है तथा इससे शाखाओं के कार्यों पर नकारात्मक एवं हतोत्साहित करने वाला प्रभाव पड़ रहा है।

अंत में सभा ने सर्वसम्मति से यह मत बनाया कि समाज की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए वर्तमान कमेटी को पूर्णतः भंग कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएँ, ताकि संविधान के अनुसार योग्य प्रतिनिधियों का चयन हो सके तथा समाज को नई दिशा एवं गति प्राप्त हो और समाज की प्रगति हेतु सभी सदस्य सकारात्मक योगदान दे सकें।

सभा में श्री पी.डी. गुप्ता, श्री अनीकेत जलान, श्रीमती नीना अग्रवाल, श्री मनीष अग्रवाल, श्री रूपेश अग्रवाल, श्री सूर्यकमल गुप्ता, श्री शिवचरण अग्रवाल, श्री मनोज अग्रवाल, श्री दिनेश अग्रवाल, श्री धीरज अग्रवाल, श्रीमती चंदा देवी अग्रवाल, श्रीमती अंजू अग्रवाल एवं श्रीमती अनीता अग्रवाल उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज विवाह परिचय समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना विवाह परिचय समिति की एक महत्वपूर्ण एवं सफल बैठक समाज कार्यालय, आबिड्स में बड़े उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई। बैठक में समाज के अनेक परिवारों एवं अभिभावकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया तथा अपने बच्चों के बायोडाटा लेकर उपस्थित हुए। अभिभावकों ने अपनी-अपनी पसंद एवं आवश्यकताओं के अनुसार योग्य वर-वधू की जानकारी प्राप्त की तथा आपसी परिचय एवं विचार-विमर्श के माध्यम से विवाह संबंधों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान लगभग 15 नए बायोडाटा समिति को प्राप्त हुए, जिससे विवाह परिचय अभियान को और अधिक मजबूती मिली। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं के लिए योग्य एवं संस्कारी जीवनसाथी की तलाश को सरल, व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाना रहा। उपस्थित

15 नए बायोडाटा प्राप्त, समाजबंधुओं में उत्साह



अभिभावकों ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाजहित में अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक पहल बताया। समिति के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल ने सभी अभिभावकों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि विवाह परिचय समिति समाज के परिवारों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है, जहाँ पारिवारिक मूल्यों एवं संस्कारों को ध्यान में रखते हुए अच्छे रिश्तों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से अधिक से अधिक सहभागिता करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल एवं उपाध्यक्ष हर गोविंद अग्रवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विवाह परिचय समिति के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्तमान समय में इस प्रकार के संगठित प्रयास समाज को एकजुट करने के साथ-साथ युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों को उनके समर्पण एवं सेवाभाव के लिए शुभकामनाएँ दीं। बैठक में वाइस चेयरमैन अशोक जिंदल, सुनील

मोदी, गोपाल अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, शीतल रंगटा, रानी मित्तल सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। पंकज अग्रवाल, मोनिका, विपिन अग्रवाल, सीमा, अजय तुलस्यान ने भी विशेष सहयोग दिया। सभी सदस्यों ने बैठक को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। अंत में उपस्थित अभिभावकों एवं समाजबंधुओं ने समिति के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की बैठकों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

राधे-राधे अब केवल शब्द नहीं, सेवा, संस्कार और परिवार की पहचान बन चुका है : सुशील गुप्ता

हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन शब्दा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राधे-राधे ग्रुप के सदस्य, सेवा सहयोगी एवं क्षेत्रीय शब्दा ल उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, सेवा और अपनत्व का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुशील गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे आज केवल एक शब्द नहीं रहा, बल्कि यह सेवा, संस्कार, प्रेम और परिवार की पहचान बन चुका है। राधे-



राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भावना से जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य है। आज के समय में जहाँ लोग केवल अपने बारे में सोचते हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप समाज के हर वर्ग के लोगों तक

सेवा पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना, भूखे को भोजन कराना और दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानवता है। उन्होंने आगे कहा कि इस

प्रकार के सेवा कार्यों से नई पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है और उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे सेवा के इस अभियान को और अधिक मजबूत बनाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ें।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में भाईचारा, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

बेगम बाजार क्षेत्र में नियमित रूप से आयोजित हो रहे इन सेवा कार्यक्रमों को स्थानीय लोगों का भी भरपूर सहयोग और समर्थन मिल रहा है।

हिंदू उत्सव समिति द्वारा राहगीरों को ठंडी छाछ और आइसक्रीम वितरण सेवा कार्य के तहत 6000 ग्लास छाछ और 2000 आइसक्रीम कप वितरित



हैदराबाद, 24 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदू उत्सव समिति भाग्यनगर द्वारा ग्रीष्म ऋतु के दौरान निरंतर सेवा कार्य करते हुए दसवें रविवार को भी विशाल छाछ एवं आइसक्रीम वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह सेवा कार्यक्रम 24 मई को दोपहर 12.00 से 2.00 बजे तक हार्ड कोर्ट पोस्ट ऑफिस के सामने आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत राहगीरों एवं आमजन को 6000 ग्लास मसाला ठंडी छाछ तथा 2000 आइसक्रीम कप वितरित किए गए। भीषण गर्मी में समिति सदस्यों ने तन-मन से सेवा करते हुए लोगों

को राहत पहुंचाई। सेवा कार्यक्रम में टी. उमा महेंद्र (भाजपा गोलकोंडा अध्यक्ष), नरेन्द्र, रमेश बसाईवाला, प्रतिबंध (प्रिस), संजू अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, कमल शर्मा, योगेश अग्रवाल, प्रद्युम्न शर्मा एवं आरव तायल ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

अवसर पर किरण तायल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहयोगी सदस्यों एवं सेवा कार्य में योगदान देने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और समिति भविष्य में भी इसी प्रकार समाजसेवा के कार्य निरंतर करती रहेगी।

